छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 39 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 29 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से उप मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

13 राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन, 8 सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करके राज्य शासन द्वारा प्रस्तावित विभिन्न सड़क परियोजनाओं को मंजूर करने का आग्रह किया। उन्होंने श्री गडकरी से बिलासपुर शहर में यातायात का दबाव कम करने बायपास निर्माण, रायपुर और बिलासपुर के बीच भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर (आरंग) से बिलासपुर (दर्री) तक 6-लेन मार्ग की मंजूरी तथा मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग का विस्तार रायपुर तक करने का अनुरोध किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में 13 राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के साथ ही 8 सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी आग्रह किया।

उप मुख्यमंत्री ने मुलाकात के दौरान केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को अवगत कराया कि बिलासपुर शहर में लगातार बढ़ती आबादी और वाहनों के कारण यातायात का काफी दबाव है, जिससे निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने इसके समाधान के लिए राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के माध्यम से शहर के बाहर से होकर उच्च न्यायालय बोदरी से सेंदरी तक करीब 32 किमी लंबा फोरलेन बायपास स्वीकृत करने का अनुरोध किया। यह बायपास बिलासपुर शहर के प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर और लॉजिस्टिक पार्क को रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। साथ ही शहर के भीतर यातायात के दबाव को प्रभावी तरीके से कम करते हुए औद्योगिक विकास संचार तंत्र एवं नियोजित शहरी विस्तार को बढ़ावा देगा। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने राज्य के उत्तरी हिस्से में कोल माइन्स एवं दक्षिणी हिस्से में आयरन माइन्स को देखते हुए औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने, कोयला एवं लौह अयस्क के परिवहन, स्टील व सीमेंट उत्पाद को बाहर भेजने तथा प्रदेशवासियों के सुचारू आवागमन के लिए मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग को ग्रीन फील्ड सड़क के रूप में रायपुर तक विस्तारित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रायपुर-नागपुर-मुंबई एक्सेस कंट्रोल 8-लेन कनेक्टीविटी से राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर के आरंग से बिलासपुर के दर्री तक लगभग 95 किमी 6-लेन मार्ग के निर्माण की मंजूरी प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रायपुर से बिलासपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग जुड़ा हुआ है, किंतु एक्सेस कंट्रोल नहीं होने के कारण राज्य की तीनों भारतमाला परियोजनाओं के बीच सीधा संपर्क नहीं हो पा रहा है। आरंग-दर्री मार्ग के निर्माण से रायपुर से बिलासपुर की दूरी एक घंटे में तय होगी तथा तीनों भारतमाला सड़कों के आपस में जुड़ जाने से सीधा संपर्क होगा, जिससे सभी तरह के परिवहन में समय, धन और ऊर्जा की बचत होगी। श्री साव ने केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी से राज्य के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों के 13 खंडों के उन्नयन के लिए राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रदेश की सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए विद्यमान मार्गों को उन्नत किए जाने पर जोर देते हुए आठ सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी अनुरोध किया।

जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय नीति संवाद में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण के लिए आयोजित मिनिस्टर्स लेवल पॉलिसी डायलॉग ऑन सस्टेनेबल ओएंडएम ऑफ रुरल ड्रिंकिंग वाटर सर्विसेस की बैठक में शामिल हुए। नई दिल्ली में आयोजित इस नीति संवाद की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल एवं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, भारत सरकार के सचिव एवं अतिरिक्त सचिव सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री भी शामिल हुए। संवाद कार्यक्रम में भारत सरकार और विभिन्न राज्यों के बीच ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था को दीर्घकालिक, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने गहन विचार-विमर्श किया गया। उप मुख्यमंत्री ने नीति संवाद में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों, जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों तथा राज्य की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत निर्मित पेयजल योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित करने के बाद उनका प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति बनी रहे। श्री साव ने पंचायतों की भूमिका, स्थानीय सहभागिता और तकनीकी सहयोग को जलापूर्ति व्यवस्था की स्थिरता का आधार बताया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों एवं सुझावों पर भी गहन चर्चा हुई, जिससे जमीनी स्तर पर जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सशक्त, टिकाऊ तथा जनहितकारी बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। राज्य की ओर से जल जीवन मिशन के मिशन संचालक जितेंद्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी, अधीक्षण अभियंता ए.के. मालवे तथा कार्यपालन अभियंता संजय राठौर ने भी बैठक में भागीदारी की।

खेलो इंडिया योजनांतर्गत मंत्रालय को भेजे गए प्रस्ताव की ओर दिलाया ध्यान

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नई दिल्ली में केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात कर राज्य में खेलों के प्रशिक्षण तथा खेल अधोसंरचना को मजबूत करने राज्य शासन के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मांडविया को अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खेलो इंडिया योजनांतर्गत कुल 23 अधोसंरचनाओं के निर्माण कार्यों के प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे गए हैं। उन्होंने इनकी स्वीकृति का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री ने डॉ. मांडविया से राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुसार भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केन्द्र, नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस प्रारंभ करने, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर के क्षेत्रीय केन्द्र, खेलो इंडिया एक्सिलेंस सेंटर बिलासपुर में दो अतिरिक्त खेलों की स्वीकृति तथा रायपुर में टेनिस की खेलो इंडिया एक्सिलेंस सेंटर भी स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रतिभा विद्यमान हैं। राज्य में वर्तमान कोचिंग और खेल विज्ञान अधोसंरचना राष्ट्रीय मानकों से नीचे है, जिनकी वजह से खिलाड़ियों के व्यवस्थित विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य एवं जिला स्तर के खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ ही ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहती है। राज्य शासन ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स इत्यादि के लिए भी उच्च स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए प्रयासरत है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण संस्थाओं से राज्य के खिलाड़ी एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, बैडमिन्टन, वेटलिफ्टिंग, क्याकिंग कैनाईंग, बास्केटबॉल, वालीबॉल जैसे खेलों का सुव्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण हासिल कर सकेंगे।

राजस्व निरीक्षक को 4 वर्ष कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा

एसीबी ने रिश्वत प्रकरण में की थी कार्रवाई, विशेष न्यायालय ने किया दण्डित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एंटी करप्शन ब्यूरो के रिश्वत प्रकरण में राजस्व निरीक्षक नजूल को 04 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5,000 रुपये के अर्थदण्ड से विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम ने दण्डित किया है।

कृष्णानगर निवासी श्रीमती अर्चना खाखा के द्वारा कार्यालय उप पुलिस अधीक्षक, एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर में 17.07.2020 को शिकायत पत्र प्रस्तुत किया था कि वर्ष 2018 में उनके पति राकेश खाखा के द्वारा सरगुजा स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 542/12, रकबा 0.04 हेक्टेयर भूमि, विक्रेता जानू पिता बन्धु अगरिया निवासी ठाकुरपुर, अंबिकापुर से क्रय करके रजिस्ट्री कराया गया था। इसका नक्शा काटने एवं रिकार्ड दुरूस्त करने के एवज में राजस्व निरीक्षक राजबहादुर सिंह के द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। अर्चना खाखा रिश्वत में 10 हजार रुपये नहीं देना चाहती थी बल्कि राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़वाना चाहती थी। शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें राजस्व निरीक्षक राजबहादुर सिंह ने 10 हजार रुपये से एक भी रुपये कम नहीं लूंगा, कहा गया। शिकायत सत्यापन के दूसरे दिन उक्त जमीन को नापने के लिए जब वह पहुंचा और जमीन नापने के पश्चात 10 हजार रुपये की मांग किया तो महिला ने उन्हें तत्काल 2000 रुपये दिया और शेष रकम 8000 रुपये नक्शा काट कर रिकार्ड दुरूस्त करने के उपरांत देने की बात कही गई थी। इसके बाद 07.08.2020 को ट्रेप कार्रवाई करके पटवारी कार्यालय सह निवास फुन्दुलडिहारी, अंबिकापुर में आरोपी राजबहादुर सिंह, राजस्व निरीक्षक, पटवारी हलका नंबर-57, ग्राम ठाकुरपुर, रा.नि.मं. अंबिकापुर 02 को अर्चना खाखा से 8000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। प्रकरण में विवेचना पूर्ण होने के पश्चात दिनांक 22.06.2021 को आरोपी के विरूद्ध विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय में विचारण उपरांत 28.01.2026 को आरोपी राजबहादुर सिंह को 04 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

एंटी रैबीज इंजेक्शन लगने के बाद कुत्ते के काटने से घायल की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पागल कुत्ते के काटने से पीड़ित वृद्ध की एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगवाने के बाद भी अचानक तबियत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम तुरना का झनक राम राजवाड़े पिता स्व. चमरा राम राजवाड़े 65 वर्ष, 31 दिसम्बर की रात को करीब 8 बजे घर से बाहर लघुशंका के लिए निकला था। लघुशंका के बाद जैसे ही घर के अंदर आने के लिए मुड़ा, अचानक आवारा कुत्ता उस पर हमला कर दिया। आवारा कुत्ते के हमले से वृद्ध का हाथ जख्मी हो गया और खुद का बचाव करते वह जमीन में गिर गया था। इस बीच कुत्ते ने उसके चेहरे को भी जख्मी कर दिया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे थे। आवश्यक उपचार कराने के बाद समयानुसार वृद्ध को इंजेक्शन लगवाने के लिए स्वजन अस्पताल लेकर आते थे। 26 जनवरी को वृद्ध की अचानक तबियत बिगड़ी और वे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने जांच के बाद उसे भर्ती कर लिया था और उसका उपचार कर रहे थे। 28 जनवरी को तड़के तीन बजे उपचार के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। एंटी रैबीज इंजेक्शन लगने के बाद भी वृद्ध के दम तोड़ने से एंटी रैबीज इंजेक्शन के बेअसर होने जैसी बातें हो रही हैं। इंजेक्शन की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इंजेक्शन लगने के बाद भी रैबीज के इंफेक्शन से मौत हुई या कारण कुछ और है, इसकी पुष्टि के लिए पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

पोस्टमार्टम कर रहे चिकित्सकों ने महिला के पेट में निकाला 11 किलो वजनी ट्यूमर

20 वर्ष से पेट में सूजन के बाद भी नहीं कराई इलाज, 62 वर्षीय महिला की गई जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंह देव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सक उस समय हैरान हो गए, जब उन्होंने 62 मृत वर्षीय महिला के गर्भाशय से 20 साल पुराना विशाल फाइब्रोइड (ट्यूमर) निकाला, इसका वजन करीब 11 किलो और परिधि 37 इंच है। फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. संतू बाग ने बताया कि महिला पिछले 20 वर्ष से पेट में सूजन के साथ जीवन जी रही थी, लेकिन कभी इसका इलाज नहीं कराई। 25 जनवरी 2026 को अचानक चक्कर आने से वह गिर गई थी और उसकी मौत हो गई। मृत्यु के बाद किए गए पोस्टमार्टम में यह असाधारण फाइब्रोइड सामने आया। पोस्टमार्टम टीम में शामिल डॉ. संतू बाग और पैथोलॉजिस्ट डॉ. दीपक गुप्ता ने बताया कि इतने लंबे समय तक शरीर में इतना बड़ा फाइब्रोइड रहना अत्यंत दुर्लभ है। समय रहते जांच और उपचार होता तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। डॉक्टरों के अनुसार, पेट में लगातार सूजन, दर्द या असामान्य बदलाव को नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। यह मामला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की गंभीर आवश्यकता को दर्शाता है। इनके द्वारा आमजन से अपील की गई है कि किसी प्रकार की शारीरिक समस्या को लंबे समय तक अनदेखा न करें और समय पर चिकित्सकों की सलाह अवश्य लें।

न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से बनी दहशत की स्थिति

हरकत में आई पुलिस ने बम स्क्वायड के साथ पूरे कोर्ट परिसर को खंगाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के हृदयस्थल में स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से बुधवार को प्रशासनिक अमला सतर्क हो गया। यह धमकी न्यायाधीश के अधिकारिक ई-मेल आईडी पर प्राप्त हुआ, इसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया।

न्यायाधीश की सूचना पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो, सीएसपी राहुल बंसल के साथ बम स्क्वायड और डॉग, बम स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। एहतियातन कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले अधिवक्ता, फरियादी और आम नागरिकों की सघन जांच मेटल डिटेक्टर से की गई। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भी तलाशी ली गई। बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड ने पूरे परिसर में संदिग्ध वस्तुओं को तलाशा, हालांकि कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला है।

परिसर रहा पुलिस की निगरानी में

कोतवाली पुलिस, साइबर टीम ने संयुक्त रूप से बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीम के साथ 4 घंटे से अधिक न्यायालय परिसर को अपनी निगरानी में रखा और निरंतर जांच की गई। इस दौरान टीम ने न्यायालय परिसर में स्थित न्यायालयीन कक्षों को भी बारीकी से देखा। इस दौरान अधिवक्ताओं के साथ ही पक्षकारों में भी दहशत का माहौल रहा।

मेल आईडी की चल रही जांच

डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने बताया कि न्यायाधीश के ई-मेल पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ था, इसकी सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह ई-मेल आउटलुक मेल आईडी से 'जीवा बिंदई' नाम से भेजा गया है। मेल भेजने वाले की पहचान और उसकी मंशा को लेकर लगातार जांच की जा रही है। उन्होंने फर्जी मेल होने का अंदेशा जताते हुए कहा है कि मेल आईडी की जांच कराई जा रही है। सुरक्षा के दृष्टि से पूर्व से न्यायालय परिसर में बल तैनात हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा के उद्देश्य से पुलिस बल में वृद्धि की गई हैं।

मौसम विज्ञान विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए एएम भट्ट सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर में आयोजित भव्य समारोह में 26 जनवरी को योग्य अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। इसी क्रम में वर्ष 2025 के लिए विदर्भ, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र में कार्यरत राजपत्रित (वैज्ञानिक श्रेणी) द्वितीय वर्ग के अधिकारियों में मौसम कार्यालय अंबिकापुर के मौसम विज्ञानी-बी अक्षय मोहन भट्ट को उनके उत्कृष्ट विभागीय कार्य एवं सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्गत संचालित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर के अधीन विदर्भ, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र शामिल है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार किशोर व युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के सलबा मोड़ के पास मंगलवार की रात करीब 9 बजे धान लोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार किशोर व युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महेन्द्र यादव 16 वर्ष व विजय लाल यादव 19 वर्ष, दोनों मैनपाट के परपटिया व अरगोती के रहने वाले थे। मंगलवार की रात को दोनों युवक बाइक में सवार होकर लखनपुर से उदयपुर के डांडगांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में उदयपुर थाना क्षेत्र के सलबा मोड़ के पास सामने से आ रहे धान लोड ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

चार चिकित्सकों को मिला क्षेत्रीय प्रभार, मोनिका का कोरबा तबादला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल मुख्यालय से बुधवार को जारी आदेश में विभिन्न क्षेत्रों में पदस्थ दस चिकित्सकों का प्रभार बदल उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई। सूची में चार चिकित्सकों को क्षेत्रीय प्रभार सौंपा गया है। बिश्रामपुर केंद्रीय चिकित्सालय में पदस्थ चिकित्सक मोनिका वाल्टर का तबादला कोरबा किया गया है। जारी आदेश में गेवरा क्षेत्र में पदस्थ डॉ कल्याण सरकार सोहागपुर क्षेत्र के एरिया मेडिकल ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। गेवरा में ही पदस्थ डॉ विजय लक्ष्मी कच्छप गेवरा के एरिया मेडिकल ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। बैकुंठपुर में पदस्थ डॉ सुलामीन मिंज को वहीं का एएमओ नियुक्त किया गया है। रायगढ़ में पदस्थ डॉ सुधीर कुमार रजक को दीपका क्षेत्र का एएमओ नियुक्त किया गया है। डॉ शैलेन्द्र राम कुम्हार को हसदेव से गेवरा, डॉ अनुज मोहन को गेवरा से दीपका, डॉ अनु नेहा कोरबा से हेडक्वार्टर बिलासपुर, डॉ अनिरुद्ध रॉय को बैकुंठपुर से हसदेव, डॉ हिमांशु पांडेय गेवरा से हेडक्वार्टर बिलासपुर तबादला किया गया है।

जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

विभागीय समन्वय से कोटपा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर तथा वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिले में नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी रोक लगाने तथा संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निरंतर एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कोटपा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

देते हुए स्कूलों एवं कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों जैसे आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं छात्रावासों के आसपास संचालित दुकानों का नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को प्रतिबंधित दवाओं, एक्सपायर दवाओं तथा संचालित क्लीनिकों के लाइसेंस की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में अवैध या अनुचित दवाओं की बिक्री न हो साथ ही अवैध क्लीनिकों पर सख्त कार्रवाई करने तथा झोला छाप डॉक्टरों एवं झाड़-फूंक करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित चेकपोस्टों पर वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए, जिससे मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशीले पदार्थों के परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने नशामुक्ति को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा समन्वय के साथ विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया सहित सदस्यगण उपस्थित थे।

ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर 6.64 लाख की ठगी, अपराध दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब और मोटे बोनस का लालच देकर साइबर ठगों द्वारा लाखों की ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिश्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरूवां निवासी युवक से ठगों ने करीब 6 लाख 64 हजार 500 रुपए की रकम हड़प ली है। पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत थाना बिश्रामपुर सहित साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार 36 वर्षीय अभय प्रताप पिता ओमप्रकाश जो वर्तमान में गुमला झारखंड में निजी नौकरी करता है, के मोबाइल नंबर पर 2 दिसंबर 2025 को एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में पार्ट-टाइम जॉब कर पैसे कमाने का झांसा देते हुए बताया गया कि छोटे-छोटे टास्क पूरे करने पर प्रति टास्क 50 रुपए मिलेंगे। शुरुआत में विश्वास दिलाने के लिए टेलीग्राम ऐप डाउनलोड कराकर टास्क करवाए गए और वास्तविकता में कुछ रकम उसके यूपीआई खाते में भेजी गई। इससे युवक का भरोसा बढ़ गया। इसके बाद ठगों ने पेड टास्क और डेढ़ गुना बोनस का लालच देकर अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाने शुरू कर दिए। 3 दिसंबर से 10 दिसंबर 2025 के बीच अभय प्रताप से कई चरणों में अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई गई। इस दौरान उसने छोटे-बड़े अमाउंट मिलाकर कुल 664500 रुपए विभिन्न यूपीआई आईडी और बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। हर बार टास्क पूरा होने और बोनस मिलने का भरोसा दिया जाता रहा।

जब पीड़ित ने जमा रकम निकालने की मांग की, तो ठगों ने नया पेंच फंसा दिया। उसे बताया गया कि उसका स्कोर 100 में से 91 है, इसलिए रकम निकालने के लिए स्कोर खरीदना जरूरी है, जिसकी कीमत 48099 रुपए प्रति स्कोर बताई गई। इसी दौरान संबंधित टेलीग्राम ग्रुप और आईडी अचानक बंद हो गईं, जिससे पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने 13 दिसंबर 2025 को साइबर क्राइम पोर्टल के टोल-फ्री नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उसने थाना बिश्रामपुर में लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि मोबाइल नंबरों और टेलीग्राम आईडी धारकों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर, बेईमानी से प्रेरित करते हुए ऑनलाइन ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पीएम सूर्यघर योजना से मिली बिजली बिल में राहत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम लोगों को बिजली बिल के बोझ से राहत दिला रही है, साथ ही स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रही है। जिले के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम झिंगो निवासी कृष्णा सिंह ने भी अपने घर पर 03 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया जिससे उन्हें बिजली बिल में राहत मिली है। श्री कृष्णा सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत को ऊर्जा उत्पादन का माध्यम बनाने का निर्णय लिया। उनके घर की छत पर स्थापित 03 किलोवाट सोलर रूफटॉप सिस्टम दैनिक बिजली आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। वे बताते हैं कि प्रतिमाह पर्याप्त बिजली उत्पादन हो रहा है, जिससे उनका बिजली बिल कम हुआ है। सोलर प्लांट की स्थापना से वे परोक्ष रूप से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी योगदान दे रहे हैं।

गौरतलब है कि सोलर रूफटॉप लगवाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। आमजनों को योजना के लिए प्रोत्साहित करने शासन द्वारा कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिसके तहत 3 किलोवाट पर 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 01 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 45 हजार रूपए, 02 किलोवाट में 90 हजार रूपए और 03 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 01 लाख 08 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है।

194 बोरी पुराना धान जप्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में धान के अवैध परिवहन, संग्रहण, उपार्जन केन्द्रों में पुराने व अवैध धान के बिक्री के प्रयास तथा बिचौलिये एवं कोचियों के द्वारा अवैध रूप से धान विक्रय पर कड़ी निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रक्रिया में अनियमितता तथा धान के अवैध विक्रय के प्रयास पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत धान खरीदी केन्द्र जिगडी में 2 कृषकों द्वारा 194 बोरी पुराना धान विक्रय हेतु लाया गया था। जिसे तहसीलदार श्रीमती कावेरी मुखर्जी द्वारा जांच कर जप्ती की कार्यवाही की गई।

स्कूल परिसर में शांति व्यवस्था भंग करने पर दो युवकों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अनुविभागीय अधिकारी कुसमी करूण डहरिया ने जानकारी दी है कि विकासखंड कुसमी के अंतर्गत तहसील चांदो के ग्राम नवाडीहकला में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बरवाडीह के सामने विकास पैकरा (उम्र 19 वर्ष) एवं संजय कोरवा (उम्र 19 वर्ष) दोनो निवासी ग्राम डूमरखोरका के द्वारा शराब के नशे में शोर-शराबा करते हुए विद्यालय के शिक्षकों को मारपीट करने की धमकी दी जा रही थी। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उक्त मामले की शिकायत थाना चांदो में की गई। शिकायत की जांच

हेतु दोनों युवकों को थाना चांदो लाया गया। जहां दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के दौरान दोनों युवक आक्रोश में आकर शिकायतकर्ताओं एवं पुलिस कर्मचारियों से वाद-विवाद करने लगे। थाना में विवाद की स्थिति को देखते हुए, दोनों युवकों के विरुद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस. के तहत इस्तगासा तैयार कर अनुविभागीय दंडाधिकारी कुसमी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय अनुविभागीय दंडाधिकारी कुसमी के द्वारा दोनों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर जिला जेल रामानुजगंज निरुद्ध किया गया है।

कलेक्टर ने किया धान उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य पारदर्शिता एवं सुचारू रूप से जारी है। धान खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा लगातार धान उपार्जन केन्द्रों का सघन दौरा किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कटारा ने विकासखण्ड बलरामपुर के धान उपार्जन केंद्र तातापानी एवं विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के उपार्जन केन्द्र रामानुजगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में टोकन, पंजीकृत किसानों की संख्या, अब तक की गई धान खरीदी की मात्रा तथा शेष किसानों की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रभारियों से धान खरीदी के लिए आवश्यक निर्देश

दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि पात्र किसानों से धान खरीदी करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा कि शेष दिनों में मिशन मोड में कार्य करते हुए सभी पात्र किसानों से समयबद्ध तरीके से धान खरीदी सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने केंद्र पर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि सभी पात्र किसानों से धान खरीदी की जाएगी। उन्होंने किसानों से कहा कि वे किसी भी प्रकार के भ्रम में न आएं तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपनी उपज का विक्रय करें।

कलेक्टर ने समिति प्रभारियों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ धान खरीदी करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने अवैध धान की आवक पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में त्वरित सुधार कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वनमंडलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने एवं सड़क सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री कटारा ने जिले के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में त्वरित सुधार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां सड़क दुर्घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, वहां जागरूकता बोर्ड, रिफ्लेक्टर एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा संकेतक अनिवार्य रूप से लगाएं ताकि वाहन चालकों को समय रहते सचेत किया जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिससे सड़क

दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि नियमों का पालन करने से आकस्मिक परिस्थितियों में होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को यातायात नियमों के उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परिवहन अधिकारी से शासकीय एवं अशासकीय स्कूल बसों के सत्यापन एवं फिटनेस जांच की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी वाहन निर्धारित मानदंडों के अनुरूप ही संचालित हो। साथ ही उन्होंने यात्री बसों की भी नियमित रूप से फिटनेस जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में निर्धारित स्टॉप पर ही बसों को रोकने तथा सड़कों पर अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिससे अनावश्यक रूप से यातायात बाधित न हो। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि ढाबों, होटलों एवं ठेलों में अवैध शराब बिक्री पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए आम नागरिकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को सीट बेल्ट एवं हेलमेट पहनने, सीमित गति से वाहन चलाने, नशा सेवन कर वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों की दें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक सावधानी बरते और यातायात नियमों का पालन करे, तो सड़क पर होने वाली बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू रूप से जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य निरंतर सुचारू से जारी है। जिसके अंतर्गत जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कुल 51,632 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 38,461 किसानों से 24,42,356 क्विंटल धान का उपार्जन पूर्ण कर लिया गया है। उपार्जित धान के एवज में किसानों को 578 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा चुका है।

जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि अब तक जिले के लगभग 75 प्रतिशत किसानों द्वारा धान का विक्रय किया जा चुका है। शेष पात्र किसानों को भी धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। धान खरीदी को सुव्यवस्थित एवं

75 प्रतिशत किसानों से खरीदी कर 578 करोड़ का किया गया भुगतान

पारदर्शी बनाने के लिए जिले में 8,010 किसानों द्वारा टोकन हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 7,718 किसानों के धान का भौतिक सत्यापन पूर्ण कर लिया गया है तथा 5,411 किसानों को टोकन जारी भी किए जा चुका हैं। सत्यापन एवं टोकन जारी करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। खाद्य अधिकारी श्री कुजूर ने बताया कि पूर्व में 132110 क्विंटल प्रतिदिन खरीदी की लिमिट थी जिसे किसानों के हितों को ध्यान रखते हुए खरीदी लिमिट बढ़ाते हुए अंतिम चरण में जिले में कुल 49 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1,99,770 क्विंटल धान क्रय करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सभी उपार्जन केन्द्रों पर आवश्यक संसाधन, तौल व्यवस्था, बारदाना, परिवहन एवं भुगतान संबंधी व्यवस्थाएं प्रशासन की सतत निगरानी में संचालित की जा रही हैं। जिससे पात्र किसानों को टोकन प्राप्त कर धान विक्रय करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासन द्वारा जिले में धान उपार्जन कार्य को पारदर्शी, किसान हितैषी एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न किया जा रहा है। ताकि प्रत्येक पात्र किसान को समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। प्रशासन की प्राथमिकता है कि सभी पात्र किसानों से धान खरीदी समय से कर ली जाएगी। यदि किसी किसान को किसी भी स्तर पर कठिनाई आती है, तो संबंधित उपार्जन केन्द्र, सहकारी समिति अथवा संबंधित अधिकारियों एवं टोल फ्री न 9343130794 के माध्यम से संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

प्रोजेक्ट उन्नति के तहत राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रोजेक्ट उन्नति के तहत कुशल श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीबीआई-आरसेटी के माध्यम से राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 27 जनवरी 2026 को की गई। जिसमें जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों से चयनित 35 अकुशल श्रमिकों को सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आवास निर्माण में उपयोग होने वाली आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण निर्माण पद्धतियों, सामग्री प्रबंधन, लागत नियंत्रण एवं सुरक्षित कार्य प्रणाली से संबंधित व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, साथ ही मनरेगा अंतर्गत स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस पहल से जिले में अब स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित राजमिस्त्री उपलब्ध होंगे, जिससे आवास निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और बाहरी श्रमिकों पर निर्भरता कम होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं एवं अकुशल श्रमिकों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राजमिस्त्री प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात कुशल श्रमिक अब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वयं का रोजगार सृजित कर सकेंगे तथा अन्य ग्रामीण परिवारों के आवास निर्माण में सहभागिता कर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे।

जयमंगल के पक्के घर का सपना पूरा किया प्रधानमंत्री आवास योजना ने

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। ग्रामीण परिवारों के लिए अपना एक पक्का घर होना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मंगारी के निवासी जयमंगल बड़ा के लिए पक्का मकान बनाने का सपना तब साकार हुआ, जब उनके नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) स्वीकृत हुई।

सालों का संघर्ष और कच्चे मकान का छत

जयमंगल बड़ा के परिवार में चार सदस्य हैं, जिनकी आजीविका का मुख्य आधार कृषि है। जयमंगल बताते हैं कि उनका पुराना घर मिट्टी और खपरैल का बना था। हर साल मानसून आने से पहले उन्हें घर की मरम्मत की चिंता सताने लगती थी। वे बताते हैं कि बरसात के दिनों में छत से पानी रिसना हमारे लिए आम बात थी। घर के भीतर बर्तन रखकर पानी रोकना पड़ता था और पूरे परिवार को रात-रात भर जागकर गुजारना पड़ता था।

शासन योजना ने दी सपनों को उड़ान

वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जयमंगल को आवास की स्वीकृति मिली। शासन से प्राप्त वित्तीय सहायता ने उनकी वर्षों की चिंता को दूर कर दिया। जयमंगल ने अपनी खेती से हुई बचत को शासन से मिली राशि के साथ मिलाकर दो कमरों का एक मजबूत पक्का मकान बनाया। वे बताते हैं कि घर छोटा है लेकिन पक्का और सुरक्षित है, और यही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है।

आत्मनिर्भरता और सुरक्षित वातावरण

अब जयमंगल का परिवार न केवल सुरक्षित महसूस करता है, बल्कि पक्का घर होने से उनके आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने अपनी खुशियों को साझा करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

जिले में आवास योजनाओं की प्रगति

जिले में संचालित विभिन्न आवास योजनाओं के अंतर्गत पक्के मकानों का निर्माण तेजी से जारी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिले में 1,02,208 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 79,286 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

एनएच-343 पर निर्माण और मरम्मत कार्य तेज, आवागमन पूरी तरह सुचारु रूप से जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। रामानुजगंज-गढ़वा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 343 की तस्वीर जल्द ही बदली हुई नजर आएगी। मार्ग के सुधार एवं उन्नयन के लिए तीन प्रमुख परियोजनाओं के तहत निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। संबंधित विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों के बावजूद आम नागरिकों की आवाजाही पूरी तरह सुचारु रूप से जारी है। राजमार्ग उन्नयन कार्य को तीन प्रमुख हिस्सों में विभाजित किया गया है- रजपुरी खुर्द से पस्ता (पाड़ी) खंड परियोजनाद01 के तहत इस हिस्से में निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। शुरूआती चरण में कार्य की गति अपेक्षाकृत धीमी थी, लेकिन निर्माण एजेंसी ने अब काम में तेजी लाने का आश्वासन दिया है। बड़की महरी से रामानुजगंज खंड परियोजनाद03 के अंतर्गत इस हिस्से में निर्माण कार्य तेज गति से जारी है। विभाग के अनुसार, निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए संसाधनों और मशीनरी की संख्या बढ़ाई गई है। अम्बिकापुर से रजपुरी खुर्द खंड-इस खंड के लिए फिलहाल नए निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1.87 करोड़ रुपये की लागत से विशेष मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है, जिससे सड़क की वर्तमान स्थिति में सुधार लाया जा सके।

शासन की 8.40 लाख की सब्सिडी, किसान-हितैषी योजनाओं और आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों ने बदली किसान कैलाश पैकरा की तकदीर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं और आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों के मेल ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की नए राह खोल दी हैं। इसका जीवंत उदाहरण सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम माजा के निवासी कैलाश पैकरा हैं, जिन्होंने मत्स्य विभाग के सहयोग से बायोफ्लॉक तकनीक को अपनाकर खेती के साथ-साथ मछली पालन में बड़ी सफलता हासिल की है।

शासन की अनुदान ने बढ़ाया हौसला

कैलाश पैकरा ने बताया कि वे पारंपरिक रूप से धान की खेती करते थे, लेकिन अधिक लाभ की चाह में उन्होंने मत्स्य विभाग से संपर्क किया। शासन की बायोफ्लॉक योजना अंतर्गत 14 लाख रुपये की लागत से मत्स्य पालन प्रोजेक्ट तैयार किया, जिसमें उन्हें 8.40 लाख रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपने 3232 डिसमिल क्षेत्र में आधुनिक तालाब और बायोफ्लॉक सिस्टम तैयार किया। बायोफ्लॉक तकनीक की खूबी यह है कि इसमें कम पानी और कम जगह में अधिक मछलियों का पालन किया जा सकता है। वर्तमान में पैकरा के पास 10,000 मछलियां उपलब्ध हैं, जिनमें सर्वाधिक 7,000 तिलपिया के साथ-साथ रोहू, कतला, मृगल और रूपचंद जैसी प्रजातियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन से उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे उन्हें वर्षभर नियमित आय प्राप्त हो रही है।

जनहित की खबर चलाने पर निजी चैनल के पत्रकार को जान से मारने की धमकी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। जनहित में समाचार प्रकाशित करना एक निजी चैनल के पत्रकार को उस समय भारी पड़ गया, जब समाचार से नाराज एक व्यक्ति ने पत्रकार को जान से मारने की धमकी दे दी। मामला भैयाथान थाना क्षेत्र का है, जहाँ पीड़ित पत्रकार ने समस्त पत्रकार साथियों की उपस्थिति में थाना पहुँचकर एफआईआर दर्ज कराने हेतु लिखित आवेदन सौंपा। मामले ने तूल पकड़ने के बाद अब पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग-दोनों स्तरों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस) को आंगनबाड़ी केंद्र झिलमिली (ब) में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण नहीं होने की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा दी गई थी। सूचना के आधार पर एक निजी चैनल के पत्रकार ने मौके पर पहुँचकर स्थिति की पड़ताल की और तथ्यों के आधार पर जनहितकारी समाचार का प्रकाशन किया। यह समाचार पूरी तरह पत्रकारिता के दायित्वों और सामाजिक सरोकारों के अनुरूप था। समाचार प्रकाशित होने के अगले दिन 27 जनवरी 2026 को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पुत्र गौतम यादव द्वारा पत्रकार के पास पहुँचकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौच की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना से पत्रकार न केवल मानसिक रूप से आहत हुए, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को जान-माल की गंभीर आशंका भी उत्पन्न हो गई। घटना के बाद पीड़ित पत्रकार ने समस्त पत्रकारों की उपस्थिति में थाना भैयाथान पहुँचकर लिखित आवेदन दिया और आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। आवेदन के साथ धमकी से संबंधित वीडियो क्लिप भी साक्ष्य के रूप में संलग्न की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी भैयाथान नसीमुद्दीन अंसारी ने बताया कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के उपरांत जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इधर, पत्रकार की शिकायत के आधार पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, भैयाथान ने भी प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए आरोपी गौतम कुमार यादव, शिक्षक (माध्यमिक शाला झिलमिली) को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि शिक्षक का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम (3) का उल्लंघन प्रतीत होता है।

कुबेरपूर के प्राथमिक शाला में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। भारत सरकार सूचना एव प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा सरगुजा जिले के ग्राम कुबेरपूर के प्राथमिक शाला में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत पाठक, संकुल प्रभारी तेज भान कुजूर, शाला की प्रधान पाठिका श्रीमति उमा सिन्हा, उप सरपंच पिंटू पांडेय शिक्षिका गीता मिश्रा, शिक्षिका श्रीमती पम्मी सिंह, नरेश चंद्र कुशवाहा, एसएमसी सदस्य रामदीन, सरपंच अनीता कुजूर, तथा बहुतायत संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सशुरूआत स्वच्छता अपनाने की शपथ से की गई। जिसमे कार्यालय प्रभारी हिमांशु सोनी द्वारा उपस्थित समस्त बच्चो को भारत को स्वच्छ बनाने और स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प दिलाया गया। प्रभारी हिमांशु सोनी द्वारा बच्चो को बताया की स्व्वच्छता हर एक की पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिये। सभी को ये समझना चाहिये कि खाने और पानी की तरह ही स्व्च्छता भी बेहद आवश्यक है। बल्कि, हमें स्वच्छता को खाने और पानी से ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिये। हम केवल तभी स्वस्थ रह सकते है। बचपन सभी के जीवन का सबसे अच्छा समय होता है जिसके दौरान स्च्छता की आदत में कुशल हो सकते है। प्रधान पाठिका उमा सिन्हा ने भी बताया कि साफ-सफाई एक अच्छी आदत है जो स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवन शैली के लिए इसकी शुरूआत घरों, स्क्रूलों, कालेजों, समुदायों, कार्यालयों, संस्थानों से हो जिससे कि देश में व्यापक स्तर पर स्वच्छ भारत क्रांति हो। हमें खूद को, घर, अपने आसपास, समाज, समुदाय, शहर, उद्यान और पर्यावरण आदि को रोज स्वच्छ रखने की जरुरत है। हम सभी को स्वच्छता का अपनाये तथा जरुरत को समझना चाहिये और इसे अपने दैनिक जीवन में लागू करना चाहिये।

पेंशन शिविर का आयोजन 30 जनवरी को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि, रायपुर के निदेर्शानुसार संभाग एवं जिला स्तर पर वेतन निर्धारण एवं लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, सरगुजा-अम्बिकापुर द्वारा निदेर्शों के अनुसार जिला सरगुजा-अम्बिकापुर हेतु पेंशन शिविर का आयोजन 30 जनवरी 2026 को संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन कार्यालय, अम्बिकापुर में किया जाएगा। उक्त शिविर में वेतन निर्धारण, लंबित पेंशन प्रकरणों तथा संबंधित अभिलेखों की जांच कर त्वरित निराकरण किया जाएगा। तदनुसार जिले के समस्त आहरण-संवितरण अधिकारी (डीडीओ) को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने कार्यालय स्तर पर लंबित वेतन निर्धारण एवं पेंशन प्रकरणों सहित आवश्यक अभिलेखों के साथ निर्धारित तिथि को शिविर में उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें। यह शिविर पेंशनधारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित प्रकरणों के त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है

जिला पंचायत सरगुजा की सामान्य सभा की बैठक आज 10.30 बजे

अंबिकापुर। जिला पंचायत सरगुजा की सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक आज आयोजित की गई है। जिसके समय में आंशिक संशोधन करते हुए यह बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में जिले के विकास कार्यों, विभागीय योजनाओं की समीक्षा और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक की महत्ता को देखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सर्व संबंधित सदस्यों, विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

प्रतापपुर रेंज में खुलेआम जंगलों की कटाई, अवैध खनन और लकड़ी बिक्री का खेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। सूरजपुर वन मंडल के अंतर्गत प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के बंशीपुर एवं सोनगरा क्षेत्र में जंगलों के साथ हो रही गतिविधियाँ अब महज अवैध कार्य नहीं रह गई हैं, बल्कि वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। मौके से प्राप्त तस्वीरें, जीपीएस लोकेशन और विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी यह संकेत देती है कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई, लकड़ी की अवैध निकासी और कोयले का गैरकानूनी खनन विभागीय संरक्षण में चल रहा है। सूत्रों के अनुसार बनारस रोड के समीप केदली नाला क्षेत्र में, बंशीपुर से लगभग 200 मीटर अंदर जंगल के भीतर खुलेआम कोयला खोदकर निकाला जा रहा है। यह सारा कार्य बिना किसी डर के किया जा रहा है, जिससे यह आशंका और मजबूत होती है कि इसमें वन विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों एवं अधिकारियों की मिलीभगत है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जंगल की सुरक्षा के लिए लगाए गए फेंसिंग तारों का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। इसके बावजूद विभाग द्वारा न तो मरम्मत कराई गई और न ही सुरक्षा के कोई अतिरिक्त इंतजाम किए गए। इससे साफ जाहिर होता है कि जंगल को जानबूझकर असुरक्षित छोड़ दिया गया है ताकि अवैध गतिविधियों को आसानी से अंजाम दिया जा सके। सूत्र यह भी खुलासा करते हैं कि विभाग का एक जिम्मेदार कर्मचारी यह तर्क देते फिरता है कि यह क्षेत्र खदान के डिप्लरिंग (डंपिंग/डिस्प्लेसमेंट) जोन में आता है, इसलिए यहां जंगल का कटना तय है। इसी दलील की आड़ में पेड़ों की कटाई को जायज ठहराने की कोशिश की जा रही है – मानो यह मानसिकता बना दी गई हो कि जब जंगल कटना ही है तो अभी ही काट लिया जाए। सबसे गंभीर आरोप यह है कि जंगल से लकड़ी डिपो ले जाने के नाम पर विभागीय जिम्मेदार खुद की निजी गाड़ियों से लकड़ी बाहर ले जाकर खुले बाजार में बेच रहे हैं।

49 हजार से अधिक किसानों ने बेचा 30 लाख क्विंटल से अधिक का धान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू और पारदर्शी रूप से संचालित हो रही है। जिला प्रशासन के प्रभावी प्रबंधन और सतत निगरानी के चलते अब तक 30,00,968.8 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है।

समयबद्ध भुगतान से किसानों में उत्साह

जिले में पंजीकृत 60,832 किसानों में से अब तक 49,423 किसान अपना धान बेच चुके हैं। शासन की द्वारा धान उपार्जन के भुगतान प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और तीव्र रखा गया है। उपार्जित धान के एवज में अब तक 595.34 करोड़ की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जा चुकी है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

उठाव और रकबा समर्पण में सक्रियता

कलेक्टर के निर्देशन में समितियों से धान के उठाव की प्रक्रिया भी निरंतर जारी है। अब तक 11,02,830 क्विंटल धान का उठाव पूर्ण कर लिया गया है। व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने में किसानों का भी अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है, जिले के 22,170 किसानों ने स्वेच्छा से अपना 2,701.96 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया है।

अवैध धान पर प्रशासन की कार्रवाई

धान खरीदी की शुचिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बिचौलियों और अवैध परिवहनकताओं पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। जाँच दलों द्वारा अब तक 73 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनका शत-प्रतिशत निराकरण कर लिया गया है।

शिवम पब्लिक स्कूल में मंडल उपाध्यक्ष शरद चन्द्र द्विवेदी व ग्राम पंचायत सोनगरा प्रांगण में सरपंच कृष्णा सिंह द्वारा फहराया गया झंडा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। देश के राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर ग्राम सोनगरा में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का विराट दृश्य देखने को मिला। गांव के शैक्षणिक, शासकीय एवं सामाजिक संस्थानों में उत्साह और गरिमा के साथ ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मिष्ठान वितरण का आयोजन किया गया। पूरे क्षेत्र में तिरंगे की शान और देशप्रेम की भावना साफ झलकती रही। कार्यक्रमों की शुरूआत शिवम पब्लिक स्कूल सोनगरा से हुई, जहां मंडल उपाध्यक्ष शरद चन्द्र द्विवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष शरद चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व हमें अपने कर्तव्यों की याद दिलाते हैं। देश की आजादी और संविधान के मूल्यों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों, युवाओं और ग्रामीणों की सहभागिता यह दशार्ती है कि सोनगरा राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। विद्यालय में शिक्षिका प्रीति द्वारा बच्चों को मिष्ठान एवं पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में तन्नू खान, बिंदु शुक्ला, अनुराग द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायत सोनगरा प्रांगण में सरपंच कृष्णा सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सरपंच कृष्णा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारे दायित्वों का स्मरण कराते हैं। ग्राम पंचायत सोनगरा में सभी वर्गों की सहभागिता गांव की एकता और भाईचारे को दशार्ती है। सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात मिष्ठान वितरण किया गया। कार्यक्रम में शरद चन्द्र द्विवेदी, बालेश्वर सिंह, गोविंद यादव, जब बहादुर सिंह, अनुराग द्विवेदी, तन्नू खान, सुखनंदन, द्रोणाचार्य, बिंदु शुक्ला, सुमित्रा सिंह, अन्नपूर्णा सिंह, पिताम्बरी सिंह, सागर सिंह, राजेंद्र सिंह, पारस सिंह, किशुन यादव, बैंगा मुन्ना, भोलेन्द, समीर सिंह, दीना सिंह, मूलधर, रंजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। इसी क्रम में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सोनगरा में समिति अध्यक्ष भोला सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में दशरथ सिंह, शरद चन्द्र द्विवेदी, तनवीर खान, अभिषेक सिंह, गिरधारी राजवाड़े, अनुराग द्विवेदी, सिद्धार्थ मिश्रा सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनगरा में डॉ. संतोष सिंह एवं डॉ. मीना राजवाड़े द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके साथ ही मिडिल स्कूल सोनगरा, हायर सेकेंडरी स्कूल सोनगरा, पशु चिकित्सालय सोनगरा, प्राथमिक शाला नवापारा, प्राथमिक शाला सोनगरा, प्राथमिक शाला कंवरपारा, वन विभाग सोनगरा, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस तथा सोनगरा के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में भी ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्पादकीय

कर्तव्य पथ पर दिखी बदलते भारत की सशक्त झलक

भारत ने 26 जनवरी 2026 को अपना 77वां गणतंत्र दिवस पूरे गौरव, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना के साथ मनाया। राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड केवल एक औपचारिक सैन्य आयोजन नहीं रही, बल्कि यह नए भारत की सोच, सामर्थ्य, समावेशिता और वैश्विक दृष्टि का भव्य प्रदर्शन बनकर सामने आई। इस वर्ष की परेड कई ऐतिहासिक बदलावों और पहली बार हुए प्रयोगों के कारण विशेष रूप से यादगार रही। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह की सबसे बड़ी विशेषता रही पहली बार दो मुख्य अतिथियों की उपस्थिति। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का शामिल होना भारत और यूरोप के बीच मजबूत होते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों का स्पष्ट संकेत है। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों, सुरक्षा और कूटनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाला देश बन चुका है। 77वें गणतंत्र दिवस परेड में महिला नेतृत्व ने इतिहास रच दिया। पहली बार सीआरपीएफ की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व एक महिला कमांडेंट द्वारा किया गया। यह दृश्य केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि यह संदेश देता है कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था में महिलाएं अब निर्णायक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में आगे बढ़ रही हैं। सेना और अर्धसैनिक बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल लैंगिक समानता का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सोच में आए सकारात्मक बदलाव को भी दर्शाती है। इस वर्ष की परेड का एक प्रमुख आकर्षण रहा सेना के युद्ध मॉडल और ऑपरेशन 'सिंदूर' का लाइव प्रदर्शन। ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम, सूर्यास्त्र रॉकेट लॉन्चर, अर्जुन मेन बैटल टैंक और स्वदेशी सैन्य प्लेटफॉर्मों की श्रृंखला ने 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को और मजबूत किया। राफेल, सुखोई, मिग-29 और जगुआर सहित 29 एयरक्राफ्ट्स ने सिंदूर, वज्रांग, अर्जन और प्रहार जैसे फॉर्मेशन बनाकर आकाश में भारत की सामरिक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह दृश्य न केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक था, बल्कि देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास और गर्व की भावना को भी सुदृढ़ करने वाला रहा। झांकियों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और विकास योजनाओं को प्रस्तुत किया। इन झांकियों में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना स्पष्ट रूप से झलकती नजर आई। एनिमल कंटिजेंट की भागीदारी ने परंपरा और आधुनिकता के संतुलन को दर्शाते हुए परेड को और भी विशिष्ट बना दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा तिरंगा फहराना, राष्ट्रगान के बाद 21 तोपों की सलामी और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया जाना, ये सभी क्षण देश की सैन्य वीरता, बलिदान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाते हैं। कुल मिलाकर, 77वें गणतंत्र दिवस की परेड केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव नहीं थी, बल्कि यह भविष्य की दिशा का स्पष्ट संकेत भी थी। यह परेड बताती है कि भारत आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम, सैन्य रूप से सशक्त, लैंगिक रूप से समावेशी और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा राष्ट्र है। कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित यह शौर्य वास्तव में नए भारत की पहचान है, एक ऐसा भारत जो अपनी परंपराओं पर गर्व करता है और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

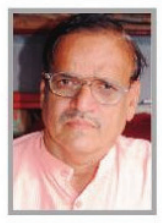

प्रदूषण
प्रमोद भार्गव

कोयला उत्पादन में कमी लाने की जरूरत

दिल्ली समेत भारत वायु प्रदूषण चरम पर पहुंच जाने के कारण चर्चा में है। सड़कों पर बढ़ते वाहन तो प्रदूषण के बड़े कारण हैं ही, कोयले से चलने वाले ताप विद्युत संयंत्र भी वायु प्रदूषण फैलाने के बड़े कारक बन रहे हैं। बावजूद इन संयंत्रों को राहत दी जा रही है। साथ ही कोयला खदान खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाना भी यह दर्शाता है कि बड़ी मात्रा में बिजली उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन की जरूरत बनी रहेगी। ताप विद्युत संयंत्रों के लिए फ्लू एंड गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) लगाने की तिथि निर्धारित कर दी गई थी। किंतु अब इसकी अवधि बढ़ा दी गई है, जबकि रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की नई रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि देश के करीब 78 प्रतिशत ताप बिजली संयंत्रों में सल्फर डाईऑक्साइड (एसओ-2) को नियंत्रित करने की प्रणाली नहीं है। इस कारण वायु प्रदूषण फैलाने में इनकी बड़ी भूमिका सामने आ रही है। देश में इलेक्ट्रिक उपकरणों और अब इलेक्ट्रिक कारों सहित अन्य वाहनों की आमद ने बिजली की आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए विद्युत संयंत्रों की न केवल जरूरत को रेखांकित किया है, अपितु यह भी संकेत मिल रहे हैं कि इन संयंत्रों की संख्या भविष्य में बढ़ाई जा सकती है। साफ है, इसी अनुपात में कोयले का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी हो जाएगा। इस आशंका की पुष्टी इस तथ्य से होती है कि केंद्र सरकार ने 23 दिसंबर 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार कोयला उत्खनन से जुड़े कोलियरी नियंत्रण नियम 2004 में एक अहम संशोधन करते हुए नई खदानों को खोलने की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। इस नियम की संहिता 9 को संशोधित किया गया है। साफ है, नए संयंत्र खोलने की बाधा को दूर कर दिया है।

वर्ष 2015 में जारी की गई अधिसूचना के बाद सरकारी क्षेत्र की एनटीपीसी एकमात्र ऐसी कंपनी है, जिसने अपने संयंत्रों में एफजीडी लगाने का काम किया है। इसके बाद से परिणाम बेहद सकारात्मक रहे है। एसओ-2 उत्सर्जन में कमी पाई गई है। एनटीपीसी ने जिन 20,000 मेगावाट क्षमता में एफजीडी को लगाया है, वहां औसतन 70 प्रतिशत तक एसओ-2 उत्सर्जन में कमी आई है, जबकि निजी कंपनियों ने इसे पूरी तरह अनदेखा किया हुआ है। इन कंपनियों में रिलाइंस, टाटा पावर, अडानी और टोरेंट पावर शामिल हैं। इन कंपनियों ने तर्क दिया है कि एफजीडी लगाने में करीब डेढ़ लाख करोड़ का खर्च संभव है। अतएव एफजीडी को स्थापित किया जाता है तो बिजली महंगी होगी, जिसका भार उपभोक्ता को उठाना होगा। महंगी बिजली का भार उपभोक्ता पर पड़े यह केंद्र सरकार भी नहीं चाहती, क्योंकि इससे बड़ी संख्या में मतदाता प्रभावित हो सकते हैं? इसलिए सरकार ने सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। इस फार्मूले को अमल में लाकर कंपनियों को राहत देने के लक्ष्य से जुलाई 2025 में बदले नियम के अनुसार तय कर दिया कि जो संयंत्र घनी आबादी या प्रदूषित क्षेत्र से 10 किमी दूर है, उन सभी ताप विद्युत संयंत्रों को एफजीडी लगाने की जरूरत नहीं है। यानी एक बड़ी अड़चन को दूरी के बहाने दूर कर दिया। भारत में बढ़ते शहरीकरण के चलते ऊर्जा, स्टील और सीमेंट उद्योगों की मांग बढ़ती जाने के कारण, उसी अनुपात में कोयले की जरूरत भी बढ़ती जा रही है। साल 2024-25 में

बिजली उत्पादन हेतु कोयले की मांग 94 करोड़ टन पर पहुंच गई थी। एक अनुमान के मुताबिक भारत के ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले की मांग 3-4 प्रतिशत की दर से अगले पांच सालों तक बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बढ़ते उपयोग से कोयले से उत्सर्जित बिजली उत्पादन में हिस्सेदारी 2025 की तुलना में 70 प्रतिशत से घटकर 2030 तक 60 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारत में सौर्य ऊर्जा का उत्पादन उम्मीद से कहीं अधिक बढ़ रहा है, क्योंकि घरों में सौर्य ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में उपभोक्ता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित हो गई है। दरअसल, ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरूआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एकमत होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। बावजूद अभी तक इसके सार्थक परिणाम सामने नहीं आए है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास के बीच चले युद्धों ने भी इस संकट को बढ़ाने का काम किया है।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। समुद्र और अंतरिक्ष का तापमान भी इससे बढ़ेगा। विनाशकारी परमाणु हथियारों का प्रयोग और उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने की प्रक्रिया भी खगोलीय तापमान बढ़ाने का काम कर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

> नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा।

नमन
विशाल तिवारी

एक अंग्रेज जो हमेशा भारत का बन कर रह गया

भारत के सबसे प्रिय और सम्मानित विदेशी पत्रकारों में से एक सर मार्क टली का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जाना न केवल बीबीसी के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए एक युग का अंत है। जैसे कोई पितामह विदा हो गया हो, जिसकी आवाज दशकों तक लाखों भारतीयों के कानों में गूंजती रही। टली का जीवन भारत से इतना गहराई से जुड़ा था कि वे एक अंग्रेज होते हुए भी भारत का बनकर रह गए। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता (तब कलकत्ता) में जन्मे, उनका बचपन ब्रिटिश परिवार की छत्रछाया में बीता, लेकिन भारत की मिट्टी ने उन्हें हमेशा खींचा। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान दार्जिलिंग में पढ़ाई, फिर ब्रिटेन में बोर्डिंग स्कूल और कैमब्रिज में धर्मशास्त्र की पढ़ाई वे पादरी बनना चाहते थे, लेकिन नियति ने उन्हें पत्रकारिता की ओर मोड़ा। 1964 में बीबीसी में शामिल होने के बाद 1965 में वे भारत लौट आए और यहीं बस गए। बीबीसी के भारत ब्यूरो चीफ के रूप में उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार, इंदिरा गांधी की हत्या, बाबरी मस्जिद विध्वंस, आपातकाल जैसी ऐतिहासिक घटनाओं को कवर किया।

आपातकाल में उन्हें भारत से निकाला गया, लेकिन वे वापस लौटे। उनकी आवाज वो शांत, संतुलित, विनम्र अंग्रेजी बीबीसी हिंदी सेवा और वर्ल्ड सर्विस के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंची। लोग सरकारी रेडियो पर भरोसा न करने के दौर में बीबीसी को सत्य की आवाज़ मानते थे, और उस आवाज में मार्क टली थे। विनम्रता उनकी सबसे बड़ी खासियत थी। वे कहते थे, मुझे तो ज्यादा मालूम नहीं, आप बताइए...। भले ही विषय पर उनकी पकड़ गहरी हो। झारखंड के संतालों-मुंडाओं से लेकर केरल के आदिवासियों तक, उत्तर प्रदेश के निषादों से बिहार के मुसहरों तक भारत की विविधता को वे बराबर समझते थे। उनकी किताब 'नो फुल स्टॉप इन इंडिया' हर उस व्यक्ति के लिए जरूरी है जो भारत को समझना चाहता है। इसमें वे एक ब्रिटिश अर्थशास्त्री के हवाले से लिखते हैं: भारत के बारे में जो सही कहा जा सकता है, उसका विपरीत भी सत्य है। यही उनकी समझ की गहराई थी – वे भारत को जटिल, विरोधाभासी लेकिन खूबसूरत मानते थे। भारत सरकार ने उन्हें 1992 में पद्म श्री और 2005 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। 2002 में ब्रिटेन की महारानी ने उन्हें नाइट की उपाधि दी। हिंदी पाठकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि उनकी कुछ रचनाएं हिंदी में भी उपलब्ध हैं। राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित उनकी प्रमुख किताब 'धीमी वाली फास्ट पैसेंजर' है, जो उनकी अंग्रेजी किताब 'अपकंट्री टेल्स' का हिंदी अनुवाद है। प्रभात सिंह द्वारा अनूदित यह कहानी संग्रह 2023 में प्रकाशित हुआ और पूर्वांचल की कस्बाई जिंदगी, छोटे शहरों की कहानियों और भारतीय समाज की बारीकियों को मार्मिक ढंग से उकेरता है। यह उनकी दूसरी कथाकृति है, जो पचास से अधिक वर्षों के भारतीय अनुभव से निकली। भारतीयों से अधिक भारत की समझ रखने वाले वे बीबीसी की पहचान थे। जैसे वकीलों के लिए राम जेठमलानी, उद्यमियों में टाटा, वैसे पत्रकारों में मार्क टली उपमा दी जाती थी। बीबीसी का वह बेबाक स्वर थे, जो भारत की धमनियों में दशकों तक गूंजता रहा। बचपन की वे रातें याद हैं, जब रेडियो पर उनका नाम आता तो घर में सन्नाटा छा जाता। पत्रकारिता सत्य की आग है, तपाती है जलाती है, लेकिन मार्क टली ने इसे कभी हथियार नहीं बनने दिया। 1964 में वे भारत आए एक परदेसी बनकर। जल्दी ही अपने हो गए। बीबीसी दिल्ली प्रमुख बनकर उन्होंने अंधेरे में दीया जलाया। इमरजेंसी के काले दिनों में प्रेस पर ताले लगे, लेकिन टली की आवाज़ लंदन से भारत पहुंचती रही। वह निर्भीकता नहीं, नैतिक विद्रोह था। सोचिए, एक अंग्रेज जो आजादी के बाद के घावों को इतनी गहराई से देखे कि अपनी संस्था के खिलाफ भी खड़ा हो जाए। आज की पत्रकारिता में ऐसा कौन है? सोशल मीडिया की चमक में सब खो गए हैं। टली की पत्रकारिता में जनता की संवेदना थी। नक्सल गलियों में घूमे जहां इंतजामिया का पैर नहीं पहुंचता। पंजाब का दर्द उकेरा, कश्मीर की पीड़ा शब्दों में उतारी। भोपाल गैस त्रासदी पर उनकी रिपोर्टिंग मानवता का रोना है। कारखानों के धुएं में घुसकर मांओं की पीड़ा सुनी, जिनके बच्चे हमेशा सो गए। यह सूखी खबरें नहीं, जीवंत चित्र थे। जैसे कवि कविता को सांस देता है, वैसे टली ने खबरों को जीवन दिया। उनकी किताबें शब्द नहीं, भारत की आत्मा के दर्पण हैं। हर पंक्ति में सतही पत्रकारिता के खिलाफ विद्रोह। वे कहते थे, भारत समझना है तो उसके लोगों के बीच जियो। और वे जिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सबके मूल में वही एक भगवान

एक समय की बात है उद्दालक नाम के एक महान ऋषि थे। उनका 12 साल का एक बेटा था, श्वेतकेतु। श्वेतकेतु अपना ज़्यादातर समय दोस्तों के साथ खेलने और मस्ती करने में बिताता था। उसके पिताजी को उसकी शिक्षा की बहुत चिंता थी इसलिए उन्होंने श्वेतकेतु को एक अच्छे और योग्य गुरु के पास शिक्षा लेने के लिए भेज दिया। कुछ समय पश्चात श्वेतकेतु

संकलित
दर्शन

अपना शिक्षा पूरा करके अपन घर वापस लाट आया। उसक पिताजा का यह महसूस हुआ कि श्वेतकेतु को अपने ज्ञान का बहुत घमंड हो गया है। वह जानते थे कि इतना अहंकार उसके लिए ठीक नहीं है, यह उसे जीवन के सच तक नहीं पहुँचने देगा। उसे समझाने के लिए एक दिन उन्होंने ने उसे अपने पास बुलाया और पूछा, "बेटा, क्या तुम्हें वह ज्ञान मिला है जिससे न सुनाई देने वाला भी सुनाई दे, न सोचे जाने वाला भी सोचा जाए और जिसे नहीं जाना जा सकता उसे भी जाना जा सके।" श्वेतकेतु के पास अपने पिताजी के इन सवालों का जवाब नहीं था। उसके पिताजी ने उसे समझाते हुए कहा, "इस मिट्टी को देखो, जब कुम्हार इससे घड़ा बनाता है तो इसका रूप और आकार बदल जाता है पर असल में वो घड़ा होता तो मिट्टी ही है। इसी तरह इस संसार की सारी चीजे उसी एक भगवान के अलग-अलग रूप, रंग और आकार हैं। सबके मूल में वही एक भगवान हैं। जिस तरह मिट्टी के बिना घड़ा नहीं हो सकता उसी तरह भगवान के बिना ना तो यह संसार हो सकता है और ना ही इस संसार की कोई चीज। तुम भी भगवान का ही एक रूप हो, श्वेतकेतु।

लोग दोहराव से थक जाते हैं

कुछ लोग विशेष लक्ष्य के लिए नहीं, बल्कि जिज्ञासा पाने के लिए काम करते हैं। इन विषयों की खोज में यानि अनुभव की तलाश में, उन्हें हमेशा नई जानकारी प्राप्त करने में खुशी मिलती है। इस तरह की खोज सिर्फ मनुष्य मे ही नहीं, जानवर में भी होता है। लोग दोहराव से थक जाते हैं और नई जानकारी

संकलित
प्रेरणा

चाहत ह। यह ज़्यादा स ज़्यादा बच्चा म दिखाइ पड़ता ह। यह उनक व्यवहार और अभिव्यक्ति जैसे मुस्कुराहट और बड़बड़ाहट के माध्यम से दिखाया जाता है। उनके मकसद पूरा न होने पर वे परेशान हो जाते हैं। इसलिए हम हमेशा रोमांनचिक अनुभवों की खोज मे लगे रहते हैं। कुछ लोग विशेष लक्ष्य के लिए नहीं, बल्कि जिज्ञासा पाने के लिए काम करते है। इन विषयों की खोज में यानि अनुभव की तलाश में, नई जानकारी प्राप्त करने में खुशी मिलता है। इस तरह की खोज सिर्फ मनुष्य मे ही नहीं, जानवर मे भी होता है। लोग दोहराव से थक जाते हैं और नई जानकारी चाहते हैं। यह ज़्यादा से ज़्यादा बच्चों में दिखाई पड़ता है। यह उनके व्यवहार और अभिव्यक्ति जैसे मुस्कुराहट और बडबडाहट के माध्यम से दिखाया जाता है। उनके मकसद पूरा न होने पर वे परेशान हो जाते हैं। इसलिए लोगों का स्वभाव है कि वे हमेशा नई और रोमान्चिक अनुभवों की खोज में लगे रहते हैं।

सारा संसार

वृन्दावन, भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण धार्मिक व ऐतिहासिक नगर है। वृन्दावन भगवान श्रीकृष्ण की लीला से जुड़ा हुआ है। यह स्थान श्री कृष्ण की कुछ अलौकिक बाल लीलाओं का केन्द्र माना जाता है। यहां विशाल संख्या में श्री कृष्ण और राधा रानी के मन्दिर हैं। बांके विहारी जी का मंदिर, श्री गरुड़ गोविंद जी का मंदिर व राधावल्लभ लाल जी का, ठा.श्री पर्यावरण बिहारी जी का मंदिर बड़े प्राचीन हैं।

आज की पाती

बढ़ता प्रदूषण खतरनाक

देश में लगातार बढ़ता जा रहा प्रदूषण बेहद खतरनाक है। इसके कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य, और जीवन को खतरे में डाल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, और ध्वनि प्रदूषण। वायु प्रदूषण के कारण हमें श्वसन संबंधी समस्याएं हो रही हैं, और यह हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। जल प्रदूषण के कारण हमारे जल स्रोत दूषित हो रहे हैं और यह हमारे स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है। ध्वनि प्रदूषण के कारण हमें तनाव, नींद की कमी, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। सरकार से अनुरोध है कि इस समस्या से निजात दिलवाएं। *-युग धनखड़, रोहतक*

ट्रेंड

सेना की ताकत

यह गणतंत्र दिवस हम सभी को एकता को मजबूत करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और हमारे प्यारे गणतंत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करे। हमारी सेना का शौर्य और ताकत आज पूरी दुनिया देख रही है।
- सी पी राधाकृष्णन, उपराष्ट्रपति

प्रतिबद्धता दोहराने का दिन

हम भारतीय अत्यंत प्रसन्न है, क्योंकि हम अपने गौरवशाली गणराज्य के नागरिक के रूप में गर्व के साथ रह रहे है। आज का दिन राष्ट्रध्वज, संवैधानिक मूल्यों और देश के प्राचीन एवं शाश्वत आध्यात्मिक सार की निरंतर रक्षा एवं संवर्धन की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है।
-दत्तात्रेय होसबाले, आरएसएस के सरकार्यवाह

दूरदर्शी प्रशासक बिंद्रा

आईएस बिंद्रा दूरदर्शी प्रशासक थे, जिनके नेतृत्व ने विश्व क्रिकेट में भारत की भूमिका को फिर से परिभाषित करने में मदद की। उनके कारण ही आज भी खिलाड़ियों, प्रशासकों और स्वयं खेल की सेवा कर रहे है।
- मिथुन मन्हास, बीसीसीआई अध्यक्ष

ख्वाबों से भी ऊपर सम्मान

मैं पद्मश्री को गहरी कृतज्ञता और विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूँ। यह सम्मान मेरे सबसे ऊंचे ख्वाबों से भी ऊपर है। यह सम्मान केवल मेरे मार्गदर्शकों के आशीर्वाद, शुभचिंतकों की शुभकामनाओं और जनता के प्यार और प्रोत्साहन के कारण मिला है।
- आर. माधवन, अभिनेता

करंट अफेयर

कटरा और श्रीनगर के बीच विशेष आरक्षित ट्रेनें चलेंगी

हाल ही में हुई भारी बर्फबारी से सड़क और हवाई यातायात बाधित होने के कारण, उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल ने फंसे हुए यात्रियों को राहत प्रदान करने के लिए अगले सप्ताह एसएमवीडी कटरा से श्रीनगर के बीच विशेष आरक्षित ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने बताया कि 27 और 28 जनवरी को श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) कटरा और श्रीनगर के बीच विशेष आरक्षित ट्रेन चलाने का निर्णय मंडल रेल प्रबंधक (जम्मू) विवेक कुमार के निर्देशों के तहत लिया गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा और 27 और 28 जनवरी को वंदे भारत ट्रेनों के न चलने को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई गई।

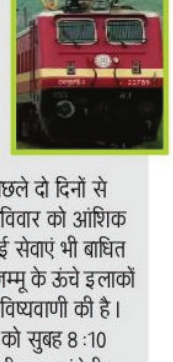

शुक्रवार को बनिहाल सेक्टर में भारी बर्फबारी के कारण पिछले दो दिनों से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद रहने के बाद इसे रविवार को आंशिक रूप से खोल दिया गया। वहीं, बर्फ से ढके कश्मीर में हवाई सेवाएं भी बाधित रहीं। मौसम विभाग ने कश्मीर के अधिकांश हिस्सों और जम्मू के ऊंचे इलाकों में 26 जनवरी से 27 जनवरी की शाम तक बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष आरक्षित ट्रेन 27 जनवरी को सुबह 8:10 बजे एसएमवीडी कटरा से रवाना होगी और सुबह 11 बजे श्रीनगर पहुंचेगी।

ऑफ बीट

पंचकर्म व पारंपरिक उपचार की चाह में गोवा आ रहे विदेशी पर्यटक

पंचकर्म जैसे आयुर्वेद आधारित उपचार पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां आजमाने के इच्छुक विदेशी पर्यटकों के लिए भारत की यात्रा को साधारण छुट्टियों से कहीं आगे कायाकल्प एवं आरोग्य हासिल करने के अवसर में तब्दील कर रहे हैं, और गोवा स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) इस मामले में एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभर रहा है। एआईआईए में उपलब्ध सबसे लोकप्रिय पारंपरिक उपचार पद्धतियों में पंचकर्म शामिल है, जो संस्थान के चिकित्सकों की मानें तो जटिल बीमारियों में भी आशाजनक परिणाम दिखा रहा है। रूस की 63 वर्षीय नतालिया उन विदेशी पर्यटकों में शामिल हैं, जिनका कहना है कि भारत में छुट्टियां मनाते समय आयुर्वेद आधारित उपचार पद्धति आजमाने के फैसले से उनकी यात्रा के अनुभव में एक शानदार आयाम जुड़ गया। नतालिया के मुताबिक, वह पिछले सात-आठ साल से कमर दर्द, गर्दन में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत के साथ-साथ 'रेटिनल एट्रोफी' की समस्या से जूझ रही हैं, जिससे उनकी आंखों की रोशनी कमजोर हो गई है। एआईआईए में पंचकर्म थेरेपी हासिल करने के बाद मुझे अपनी स्थिति में काफी सुधार महसूस हो रहा है।

खबर संक्षेप

'जन नायकन' के रिलीज पर सस्पेंस बरकरार

चेन्नई। एक्टर विजय की फिल्म 'जन नायकन' अपनी रिलीज को लेकर विवादों में है। मामला कोर्ट

पहुंचा। विजय स्टारर फिल्म के मेकर्स ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा सेंसर सर्टिफिकेट जारी न किए जाने के बाद कोर्ट का रुख किया था। 20 जनवरी को मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी।

उधमपुर में बस-बाइक की टक्कर, 4 की मौत

उधमपुर। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई।

यह दुर्घटना उधमपुर जिले के शारदा माता के पास हुई, जहां एक बस और एक मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बस उधमपुर की ओर जा रही थी।

कांग्रेस की बैठक से नदारद रहे थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर से पार्टी की एक अहम बैठक से दूर नजर आए

हैं। आगामी बजट सत्र से पहले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दिल्ली स्थित आवास पर हुई बैठक में पार्टी के तमाम बड़े नेता उपस्थित हुए। बैठक में बजट सत्र के लिए सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाना था।

भंडारा- गडचिरोली माग जल्द बनकर होंगे तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधा समिति की बैठक में कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स

की समीक्षा की गई और जरूरी फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक में नागपुर-गोंदिया, भंडारा- गडचिरोली महामार्ग के कार्यों को गति प्रदान करने की बात कही गई।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर देशभर में मचा बवाल

समान अवसरों को लेकर भेदभाव किया गया नियमों में जाति आधारित भेद का 'बड़ा आरोप'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हाल में जारी नियमों को चुनौती देने के लिए सुप्रीम में एक याचिका लगाई गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि इन नियमों में जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा अपनाई गई है और संस्थागत सुरक्षा से कुछ श्रेणियों को बाहर कर दिया गया है। याचिका में केंद्र सरकार और यूजीसी को अंतरिम निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन नियमों के तहत बनाए गए समान अवसर केंद्र और समानता समिति बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध हों।

याचिका में कहा गया है कि यूजीसी के हाल में अधिसूचित 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026' का नियम 3 (सी)'गैर-समावेशी' है और जो छात्र एवं शिक्षक आरक्षित श्रेणियों के नहीं हैं, उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। विनीत जिंदल द्वारा दाखिल याचिका में इन विनियमों की इन आधार पर आलोचना की गई है कि जाति आधारित भेदभाव को सख्ती से एससी-एसटी और ओबीसी के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में परिभाषित किया गया है।

संस्थान के उद्देश्य सही, पर बदलाव जरूरी: एबीवीपी

संस्थागत सुरक्षा से कुछ श्रेणियों को बाहर कर दिया

केंद्र सरकार और यूजीसी को अंतरिम निर्देश देने की मांग

भाजपा का छात्र संगठन एबीवीपी भी खुलकर यूजीसी नियमों के विरोध में आ गया है। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि यूजीसी के विवादित नियमों में बड़े बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2026' का उद्देश्य सही है, लेकिन सामान्य वर्ग के छात्रों की चिंताओं को देखते हुए इसमें बदलाव की आवश्यकता है। एबीवीपी नेता ने कहा कि प्रत्येक नागरिक के पास समान अधिकार होना चाहिए।

छात्रों ने किया दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान

नियमों से परिसरों में होगी अराजकता

दिल्ली में मंगलवार को कुछ छात्रों ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। ये छात्र मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए। उनका कहना है कि नए नियमों से कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अव्यवस्था फैल सकती है। विरोध कर रहे छात्रों ने सभी छात्रों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि नियम भेदभावपूर्ण हैं और छात्रों को आवाज उठानी चाहिए। छात्रों का कहना है कि तभी उनका विरोध मजबूती से सामने आ पाएगा। नए नियम सामान्य वर्ग के छात्रों की व्यापक आलोचना को जन्म दिया है, जो तर्क देते हैं कि यह ढांचा उनके खिलाफ भेदभाव का कारण बन सकता है।

नए नियमों पर छात्रों की आपत्ति और अराजकता की आशंका

जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए लागू किए गए नए नियमों के तहत यूजीसी ने संस्थानों को

शिकायतों, विशेष रूप से एससी-एसटी और ओबीसी के छात्रों की शिकायतों को संभालने विशेष समितियां, हेल्पलाइन और निगरानी दल गठित करने को कहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र आलोकित त्रिपाठी ने कहा कि नए नियमों से कॉलेजों में पूरी तरह से अराजकता फैल जाएगी क्योंकि अब सबूत का बोझ पूरी तरह से आरोपी पर आ जाएगा और गलत तरीके से आरोपी ठहराए गए छात्रों के लिए कोई सुरक्षा उपाय नहीं होंगे।

नेताओं ने दी मिलीजुली प्रतिक्रियाएं

भाजपा को डबल लाभः उदित राज

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज को आशंका है कि भाजपा को इससे डबल

फायदा हो सकता है। उदित राज ने सवर्णों की ओर से किए जा रहे विरोध के पीछे साजिश का दावा करते हुए कहा कि अधिकतर भाजपा और आरएसएस के समर्थक ही ऐसा कर रहे हैं। विरोध के बावजूद दलित, ओबीसी और आदिवासी भाजपा से खुश हो जाएंगे।

नियम भेदभाव को बढ़ाएगाः चतुर्वेदी

शिवसेना उद्धव गुट ने भी इस नियम के खिलाफ मोर्चा खोला है। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

ने कहा कि यह नियम यूनिवर्सिटियों में भेदभाव को बढ़ाएगा। चतुर्वेदी ने यूजीसी के नए नियमों को भेदभाव करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि इन नियमों से यूनिवर्सिटियों में भेदभाव कम होने की जगह लगातार बढ़ता जाएगा।

कुछ गलत नहीं कियः राम गोपाल

समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव

ने यूजीसी के नए नियमों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यूजीसी ने कुछ भी गलत नहीं किया है। यूजीसी ने केवल उन लोगों को शिकायत का अधिकार दिया है, जिनके खिलाफ अन्याय हो रहा था।

संस्थानों के अंदर इक्विटी कमेटी सुनेगी शिकायत

दिग्विजय की अध्यक्षता वाली समिति ने की थी यह सिफारिश

यूजीसी ने हाल ही में एक अधिसूचना जारी की है, जिसके अनुसार सभी यूनिवर्सिटीज, कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने संस्थानों के अंदर एक इक्विटी कमेटी बनानी होगी। ये

कमेटी उस संस्थान के अंदर एससी-एसटी या ओबीसी कैटगरी के छात्रों, शिक्षकों या गैर शिक्षण कर्मियों के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी शिकायतें सुनेंगी और तय समय-सीमा में उसका निपटारा करेगी। देशभर का सवर्ण समाज इस नियम का विरोध कर रहा है। बड़ी बात यह है कि जिस संसदीय समिति की सिफारिश पर यूजीसी ने यह कानून बनाया है, उसके अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह है। उनके साथ इस समिति में कुल 30 सदस्य हैं। इनमें कई भाजपा के सांसद हैं।

शिक्षा, महिला बच्चों, युवा और खेल पर समिति ने की सिफारिश

यह सिफारिश शिक्षा, महिला, बच्चों, युवा और खेल पर संसद की स्थाई समिति ने की है। दिग्विजय समिति के अध्यक्ष हैं। इसमें 21 लोकसभा और 9 राज्यसभा के सांसद हैं। समिति में भाजपा के 16, कांग्रेस के 4, सपा के 3, तृणमूल के 2, सीपीएम के 1, डीएमके के 1, एनसीपी (अजीत) के 1, एनसीपी (शरद) के 1 और आम आदमी पार्टी के 1 सदस्य शामिल हैं।

ये हैं समिति के सदस्यों में शामिल

संसद की वेबसाइट पर उपलब्ध नामों के मुताबिक इस समिति में राज्यसभा से दिग्विजय के अलावा भीम सिंह (भाजपा राज्यसभा के सांसद) बिकास रंजन भट्टाचार्य (सीपीएम नेता और बंगाल से राज्यसभा सांसद), घनश्याम तिवाड़ी (भाजपा नेता, राज्यसभा सांसद), रेखा शर्मा (भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद और महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष), सी. सदानंदन मास्टर (केरल भाजपा के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद), सिकंदर कुमार (भाजपा नेता, राज्यसभा सांसद), सुनेत्रा पवार (एनसीपी नेता और राज्यसभा सांसद) और स्वाती मालीवाल (आप की पूर्व नेता और राज्यसभा सांसद) हैं।

बंगाल में हुंकार भरेंगे भाजपाध्यक्ष

दुर्गापुर व आसनसोल पहुंचेंगे, पार्टी कार्यकर्ताओं को देंगे एकता का मंत्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक है। इसे देखते हुए भाजपा पूरे दमखम से साथ चुनावों की तैयारियों नें जुटी हुई नजर आ रही है। अब भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नबीन का पश्चिम बंगाल दौरा करेंगे। अध्यक्ष पद संभालने के बाद से यह उनका पहला दौरा हो सकता है। वे दुर्गापुर और आसनसोल के औद्योगिक क्षेत्र का दो दिन के दौरे के लिए जा सकते हैं। मंगलवार शाम को बंगाल के घरेलू हवाई अड्डे अंडाल एयरपोर्ट पर पहुंचे। बुधवार तक पश्चिम बर्धमान जिले में रहेंगे। वे संगठनात्मक बैठकों और कार्यकर्ताओं में एकता बढ़ाने के काम करेंगे। नवीन पहले दौरे के

दौरान राजधानी कोलकाता नहीं जा रहे हैं। इससे कई राजनीतिक अटकलें भी लगाई जा रही है। लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि दुर्गापुर-आसनसोल का चुनाव प्रतीकात्मक नहीं बल्कि रणनीतिक है। ऐसे संकेत थे कि वह बर्धमान जाते समय कोलकाता में रुक सकते हैं। वे शाम को दुर्गापुर के चित्रालय मेला ग्राउंड में कमल मेला में शामिल हुए, जिसके बाद संगठनात्मक बैठक होगी।

शाह बोले- संतों का आशीर्वाद जरूरी

सनातन को नजरअंदाज करने वाले लोग कभी सरकार नहीं बना पाएंगे

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। गुजरात के गांधीनगर में स्वामीनारायण संप्रदाय के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जो सरकार सनातन धर्म के अनुयायियों को निराश करती है, वह देश में दोबारा सत्ता में नहीं लौट सकती। उनके इस बयान को आने वाले राजनीतिक हालात और सांस्कृतिक विमर्श से जोड़कर देखा जा रहा है।

'शिक्षापत्री' पर आधारित था कार्यक्रम

यह कार्यक्रम स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ 'शिक्षापत्री' के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया था। शिक्षापत्री में 212 संस्कृत श्लोक हैं, जिन्हें भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में लिखा था। यह ग्रंथ अनुयायियों के लिए आचरण, नैतिकता, समाज और आध्यात्मिक जीवन का मार्गदर्शन करता है। अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक सनातन परंपराओं को उचित सम्मान देने वाली सरकार की प्रतीक्षा रही।

सरकार ने सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों से की चर्चा तो विपक्ष सरकार को घेरने के लिए लामबंद

आज राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी बजट सत्र की शुरूआत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बुधवार से शुरू हो रहे बजट सत्र के हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं। विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए लामबंद हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को कहा कि बुधवार से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र में मनरेगा, मोदी सरकार की विदेश नीति, अमेरिकी शुल्क, डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट, वायु प्रदूषण और जनहित के कई अन्य विषयों को उठाया जाएगा। बावजूद इसके सरकार द्वारा मंगलवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में बजट सत्र को लेकर चर्चा की गई, हालांकि कांग्रेस

किरेन रिजिजू, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा

ने इसे लेकर विरोध दर्ज कराया कि सरकार ने कोई विधायी एजेंडा सामने नहीं रखा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को सर्वदलीय बैठक हुई। जिसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार संसद के बजट सत्र से पहले सभी राजनीतिक दलों के सुझाव सुनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा संसदीय नियमों के मुताबिक ही होनी चाहिए। ज्ञात हा कि बजट सत्र आज 28 जनवरी से शुरू होगा और 2 अप्रैल तक चलेगा। पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक। जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। सत्र में कुल 30 बैठकें होंगी। वहीं, 1 फरवरी को 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सत्र की शुरुआत में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की सुयंक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि नियमों के अनुसार, चर्चा सिर्फ बजट पर ही होनी चाहिए। सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700142

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [4555/1(0.0180हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार मंजू देवी बंसल,
अनावेदक पक्षकार - संकेत शर्मा, मिलन शर्मा, शशिशेखर, पदमशेखर, रत्ना अग्निहोत्री प्रमिला देवी, अमिताभ शर्मा, निलाभ शर्मा, पदमनाभ शर्मा, बिन्दु शर्मा, अनुपम, अनुराग, नरेन्द्र शर्मा,

ईश्तहार

आवेदक मंजू देवी बंसल पत्नी श्याम सुन्दर अग्रवाल निवासी सदर रोड जयस्तंभ चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4555/1 मेसे रकबा 0.018 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में सुधार पत्रक दिनांक 23.05.2025 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700140/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः राजस्व
सन्तः-2025-2026
सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [12/1(0.02400)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार कुसुम पटवा.
अनावेदक पक्षकार -दिलीप धर,
ईश्तहार
आवेदक कुसुम पटवा पत्नी संतोष कुमार पटवा निवासी ग्राम सुलसुली तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर छ०म० के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 12/1 रकबा 0.235 है० मेसे रकबा 0.024 है० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 26.03.2021 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02 2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)

रा0मा0क्र0 /ब-121/2024 - 25
ग्राम पत्थलगाय, तहसील पत्थलगाय
ईश्तहार
एतद द्वारा आम जनता नगर पंचायत पत्थलगांव को सूचित किया जाता है. कि आवेदक अमोलक सिंह भाटिया पिता स्व. हरवंश सिंह भाटिया जाति सिक्ख, निवासी ग्राम पत्थलगांव, वार्ड क्रमांक 11. तहसील फथलगांव, जिला-जशपुर (छ 0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पिता हरवंश सिंह भाटिया पिता स्व. हरनाम सिंह भाटिया जाति सिक्ख का मृत्यु ग्राम पत्थलगांव, वार्ड क्रमांक-11, रायगढ़ रोड में दिनांक 06/10/1985 को हुआ था। जिसका मृत्यु दिनांक एवं नाम नगर पालिका परिषद पत्थलगांव के मृत्यु पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक के आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र, पंचनामा संलग्न किया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के गय दस्तावेज दिनांक 05/02/2026 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विवार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया
तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी पत्थलगांव

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राणा विजय सिंह पिता धर्मदेव सिंह जाति क्षत्रिय निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2079/11, रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1. खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

राप्र 4/121 वर्ष
ग्राम – खैरी प.ह .न 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तुलसाय प.ह.न.16 रा.नि.मं भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक स्वयं तुलसाय आ घासी राम का जन्म दिनांक 03/05/1976 को ग्राम खैरी में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक स्वयं का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खैरी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा मेरे द्वारा आज दिनांक 20/01/2026 को हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।
नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम झिलमिली प.ह.न. 16
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश ठाकुर पिता विष्णु ठाकुर निवासी ग्राम झिलमिली प.ह.न 16 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री प्रिंशी ठाकुर का जन्म दिनांक 03/08/2010 को ग्राम पंचायत झिलमिली में हुई है अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री प्रिंशी ठाकुर का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत झिलमिली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/01/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 30/10/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।
नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम – भवराही प.ह.न06
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूयश कुमार पिता रामफल सिह जाति गोड निवासी ग्राम भवराही प.ह.न. ०6 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री लक्ष्मी सिंह आ. सूयश कुमार का जन्मदिन दिनांक 31/10/2022 को ग्राम पंचायत भवराही में हुई है।
अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री लक्ष्मी सिंह आ.सूयश कुमार का जन्म पुजीयन हेतु ग्राम पंचायत भंवराही को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो ये स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 05/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/01/20 26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.व/121 वर्ष 25-26
ग्राम प.ह.न. 144
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रुपनारायण पिता देवशरन जाति रजवार निवासी ग्राम सिरसी .प.ह.न.14.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता देवशण का मृत्यु दिनांक 6/8/2009 को ग्राम सिरसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पिता देवशरन का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 12/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 28/1/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।
नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

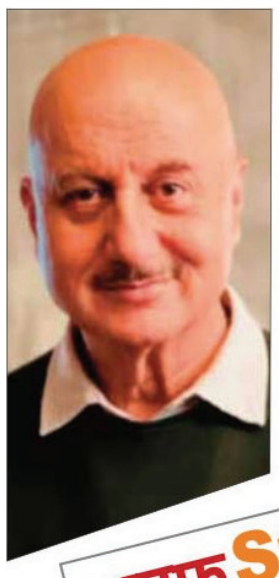

अनुपम ने 'खोसला का घोसला 2' की रिलीज से उठाया पर्दा

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 'खोसला का घोसला 2' पर अपनी खुशी जाहिर की है। साल 2006 में इसी नाम से रिलीज फिल्म का सीक्वल बन रहा है जिससे जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रहे हैं। करीब 19 साल के बाद फिल्म के सितारों को दोबारा सीक्वल में देखना लोगों के लिए काफी दिलचस्प होगा। इसी उत्सुकता के बीच, अनुपम ने सीक्वल की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट साझा कर दिया है। एक इंटरव्यू में बातचीत में, अनुपम ने स्वीकारा कि 'खोसला का घोसला 2' की घोषणा के बाद लोगों द्वारा मिलने वाली सराहना ने उन्हें चौंकाया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म की इतनी लोकप्रियता होगी।

लाइफ Style

नेहा

दुनियादारी से दूरी बनाने का ऐलान

एजेंसी ⏭ मुंबई

नेहा कक्कड़ को पिछले दिनों 'कैंडी शॉप' गाने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब गायिका ने सोशल मीडिया पर फिर से हलचल मचा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 2 पोस्ट साझा किए।

पहली पोस्ट में गायिका ने कामकाजी और रिश्तों से दूरी बनाने का ऐलान किया, जबकि दूसरी पोस्ट में पैपराजी से उनकी निजता का सम्मान करने की उम्मीद की। हैरानी की बात ये है कि कुछ देर बाद नेहा ने इन पोस्ट को डिलीट कर दिया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर नेहा ने लिखा, 'जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और उन सभी चीजों से कुछ वक्त के लिए ब्रेक लेने का समय आ गया है जिनके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पैपराजी और फैंस से निवेदन करती हूं कि मेरा वीडियो न बनाएं मुझे उम्मीद है कि आप मेरी निजता का सम्मान करेंगे। मुझे इस दुनिया में स्वतंत्र रूप से जीने देंगे।' नेहा और उनके भाई टोनी कक्कड़ ने 15 दिसंबर, 2025 को अपना सिंगल गाना 'कैंडी शॉप' रिलीज किया था। सोशल मीडिया पर इसे जमकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने गाने में मौजूद डांस स्टेप्स को घटिया और अश्लील बताते हुए गायिकों पर के-पॉप कलाकारों की नकल करने का आरोप लगाया था। इस विवाद के करीब एक महीने बाद नेहा की नई पोस्ट ने लोगों का ध्यान खींचा है, जिसे कुछ ही देर में उन्होंने डिलीट कर दिया।

हॉलीवुड मसाला

ऑस्कर की सूची में अभिनेता

लियोनार्डो

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर 2026 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं की नामांकन सूची जारी कर दी गई है, जिसमें लियोनार्डो डिकैप्रियो का बोलबाला देखने को मिला है। अकेडमी अवॉर्ड्स ने अभिनेता को उनकी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' (2025) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की नामांकन सूची में शामिल किया है। उनके अलावा, टिमोथी चालमेट को 'मार्टी सुप्रीम' के लिए नामांकन मिला है। इस रेस में माइकल बी जॉर्डन, ईथन हॉक और वैगनर मौरा भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में कामयाब रहे।

ऑस्कर 2026 में अभिनेत्री की श्रेणी एम्मा शामिल...

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर 2026 की सबसे प्रतिष्ठित श्रेणियों में से एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए मुकाबला इस बार बेहद कड़ा होने वाला है। अकेडमी अवॉर्ड्स ने इस साल उन 5 अभिनेत्रियों के नामों को नामांकन की सूची में शामिल किया, जिन्होंने अपने असाधारण अभिनय से पर्दे पर अपना खूब जादू बिखेरा। इस दौड़ में जहां एम्मा स्टोन जैसी दिग्गज अभिनेत्री एक बार फिर अपनी धाक जमाती दिख रही हैं, वहीं अभिनेत्री जेसी बकले ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में एम्मा को उनकी फिल्म 'बुगोनिया' के लिए नामांकन मिला है। उनके अलावा 4 अन्य अभिनेत्रियों ने भी अपनी दमदार परफॉर्मेंस के दम पर इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है।

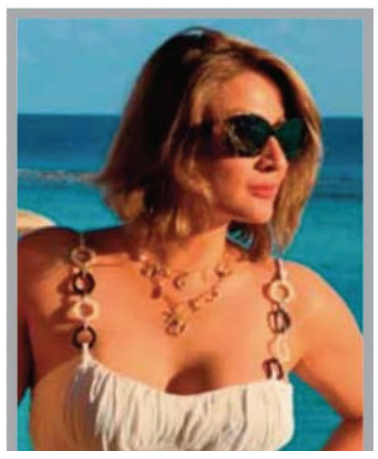

अब 'द-50' शो की ज्वॉइन

टीवी से बनाई दूरी

मुंबई। कुछ समय तक लाइमलाइट से दूर रहने के बाद, उर्वशी ढोलकिया अपनी शर्तों पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। टीवी पर अपनी यादगार भूमिकाओं के लिए मशहूर ये अदाकारा अब रियलिटी शो 'द 50' में नजर आने वाली हैं, जिसे वह अपने अब तक के सभी कामों से बिल्कुल अलग बताती हैं। उर्वशी के लिए, यह फैसला टेलीविजन से लंबे समय तक खुद को अलग रखने के बाद खुद को चुनौती देने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक शो में शामिल होने के पीछे का कारण बताते हुए उर्वशी कहती हैं, मैं काफी लंबे समय से आराम कर रही थी, और अब समय आ गया था कि मैं खुद को एक बार फिर थोड़ी और चुनौती दूं। वे 'द 50' को अनप्रिडिक्टिबेल बताते हुए कहती हैं, इस शो का अपना अलग ही अंदाज है।

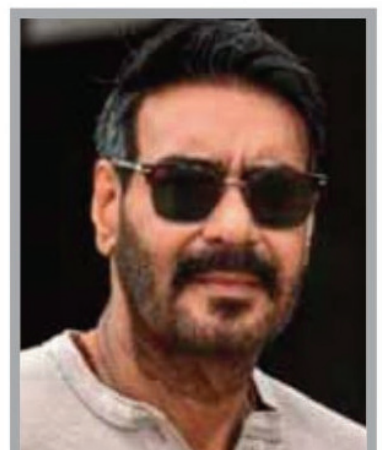

'बाल तन्हाजी' की दिखाई

पहली झलक...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी, लेंस वॉल्ट स्टूडियोज के तहत बनी पहली AI जनरेटिव फिल्म 'बाल तन्हाजी' का दीदार दुनिया से करवाया है। यूट्यूब पर फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसने उनकी 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' की यादों को ताजा कर दिया। दरअसल निर्माताओं ने इसके जरिए 'तान्हाजी' फ्रैंचाइजी का विस्तार किया है। फिल्म की ऐतिहासिक कहानी को एआई-आधारित कथा में रूपांतरित करना निर्माताओं के लिए खास कदम है। निर्माताओं ने एआई निर्मित 'बाल तन्हाजी' का टीजर जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'महान योद्धा गौरवशाली जीवन में जन्म नहीं लेते। वे मौन में गढ़े जाते हैं। अनगिनत वर्षों में एक योद्धा का निर्माण होता है।

टीवी मसाला

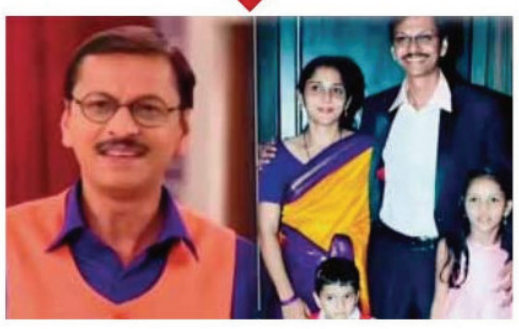

पोपटलाल की लव स्टोरी, मंदिर में की थी शादी व एनएसडी में रिसेप्शन

मुंबई। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में कई बार पोपटलाल की शादी के ट्रैक को दिखाया गया है लेकिन, हर बार वो दूल्हा बनते-बनते रह गए। ऐसे में दर्शकों को उस दिन का बेसब्री से इंतजार है, जिस दिन पोपटलाल घोड़ी चढ़ेंगे। हालांकि, अब ऐसा लग रहा है कि दर्शकों का ये इंतजार खत्म होने वाला है। तारक मेहता शो में पोपटलाल की शादी होने जा रही है, इसी बीच एक मजेदार ट्विस्ट भी देखने को मिलेगा। अब तो पोपटलाल की शादी के लिए टीम जयपुर भी पहुंच चुकी है। वैसे आपको बता दें कि पोपटलाल की भूमिका निभाने वाले श्याम पाठक रियल लाइफ में मैरिड हैं और तीन बच्चों के पिता हैं। श्याम पाठक की लव स्टोरी बेहद ही फिल्मी है और एनएसडी से तो इसका खास कनेक्शन है। श्याम पाठक का रियल नेम श्याम नवनीत भाई पाठक है। उनकी लाइफ में एनएसडी का बेहद ही अहम रोल रहा है। दरअसल, यहीं से पढ़ाई करते वक्त उनकी मुलाकात उनकी जिंदगी के प्यार और हमसफर रेशमी से हुई थी।

एनएसडी में हुई थी रेशमी से मुलाकात : वैसे तो श्याम पाठक चार्टेड काउंटेंट थे और इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में पढ़ रहे थे, पर उसे छोड़कर उन्होंने एनएसडी में एडमिशन ले लिया। क्योंकि वो एक्टर बनना चाहते थे। वहीं उनकी मुलाकात रेशमी से हो गई। श्याम पाठक जहां एक्टिंग सीख रहे थे, वहीं रेशमी डायरेक्शन और प्रोडक्शन सीख रही थीं। धीरे-धीरे दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया। हालांकि, श्याम पाठक के परिवारवाले इस शादी के खिलाफ थे क्योंकि, श्याम पाठक गुजराती हैं और रेशमी केरल से ताल्लुक रखती हैं। वहीं, रेशमी के घरवालों को भी ये रिश्ता मंजूर नहीं था।

'तारक मेहता का ...' में सोनू नहीं करेंगी वापसी

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली झील मेहता किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। झील आज जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत है। झील मेहता ने काफी पहले ही तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो छोड़ दिया था लेकिन, आज भी उनके फैंस उन्हें काफी मिस करते हैं और उनकी वापसी का इंतजार करते हैं। झील मेहता ने हाल ही में आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था। ऐसे में एक फैन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें फिर से सोनू का रोल ऑफर होगा तो शो में वापसी करेंगी। इस सवाल पर झील मेहता ने अपना इमोशनल रिएक्शन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि नहीं, मैं कभी वापसी नहीं करूंगी। झील ने आगे कहा कि मैं उस वक्त को काफी संजोय कर रखूंगी जो उस शो की वजह से मैंने जिया है लेकिन, अब यूनिवर्स ने मेरे लिए कुछ और ही सोचा है। अपना रिएक्शन देते हुए झील ने हॉट की इमोजी भी लगाई, जिससे देख ऐसा लगा कि शो उनके दिल के काफी करीब है लेकिन अब वो अपनी जिंदगी में काफी आगे बढ़ चुकी हैं।

राजामौली की 'वाराणसी' से प्रियंका की हिंदी फिल्मों में वापसी

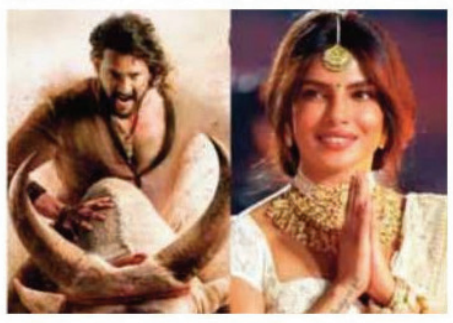

मुंबई। एसएस राजामौली 'आरआरआर ' की महासफलता के बाद अपनी अगली भव्य परियोजना के साथ लौट रहे हैं। फिल्म का नाम 'वाराणसी' है, जिसका ऐलान 2025 में कर दिया गया था। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म का हिस्सा हैं। इसके जरिए प्रियंका हिंदी सिनेमा में वापसी करेंगी। 'वाराणसी' की रिलीज तारीख का ऐलान बाकी है, लेकिन निर्माताओं की हालिया पोस्ट ने इसे लेकर बड़ा संकेत दिया है। अटकलें हैं कि फिल्म 2027 में राम नवमी पर आ सकती है।

अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों का रुख कर सकती है 'वाराणसी'

खबरों के मुताबिक, 'वाराणसी' राम नवमी के अवसर पर 9 अप्रैल, 2027 को रिलीज हो सकती है। फिल्म से जुड़ा एक क्लिप सामने आया है जिसमें त्रेतायुग, लंका नगरम, 7200 ईसा पूर्व के दृश्य दर्शाए गए हैं। वीडियो में हनुमान और अन्य को युद्ध करते दिखाया गया है। वीडियो ने राम नवमी 2027 पर फिल्म रिलीज करने की अफवाहों की पुष्टि कर दी है। चर्चा यह भी है कि निर्माता 26 जनवरी को आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान करेंगे।

'अस्सी' से सामने आई तापसी पन्नू की झलक

मौत के डर से भागती दिखीं अभिनेत्री...

मुंबई। बालीवुड की 'थ्रिलर क्वीन' तापसी पन्नू फिर दर्शकों की सांसें थामने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'अस्सी' का पहला मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इस पोस्टर में तापसी का एक ऐसा अवतार सामने आया है, जो डर, तनाव और जीने की तड़प को बयां कर रहा है। इस फिल्म के जरिए तापसी ने एक बार फिर निर्देशक अनुभव सिन्हा से हाथ मिलाया है।

बदहवास तापसी, पीछे मौत की आहट: पोस्टर में तापसी बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए भागती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर छाई चिंता और बैकग्राउंड का म्यूजिक साफ इशारा कर रहा है कि ये फिल्म एक जबरदस्त सर्वाइवल थ्रिलर होने वाली है। तापसी का किरदार एक ऐसी स्थिति में फंसा हुआ है, जहां हर सेकेंड मौत का साया उनके पीछे है। उनके दौड़ने का अंदाज बताता है कि ये सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उनके जीवन की सबसे कठिन जंग है।

तापसी ने बताई फिल्म की रिलीज तारीख : तापसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा कर लिखा, 'बहुत समय हो गया... इसे सामान्य माने हुए बहुत समय बीत गया... मिलते हैं कोर्ट में 20 फरवरी को... मेरा मतलब है सिनेमाघरों में।' तापसी के इस पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म की कहानी किसी कानूनी लड़ाई, सामाजिक अन्याय या किसी ऐसे अपराध से जुड़ी है, जो समाज में सामान्य हो गया है। पोस्टर में धड़कनें तेज कर देने वाला संगीत मन में डर के साथ-साथ उत्सुकता पैदा करता है।

तापसी और अनुभव इन फिल्मों के लिए आए साथ : तापसी और निर्देशक अनुभव सिन्हा की जोड़ी ने 'अस्सी' से पहले दर्शकों को ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्होंने न सिर्फ समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि समाज को आईना दिखाने का काम भी किया है। साल 2018 में तापसी और अनुभव फिल्म 'मुल्क' के लिए साथ आए थे और साल 2020 में उनकी बेहतरीन फिल्म 'थप्पड़' रिलीज हुई थी। अब एक्टर और डायरेक्टर की ये जोड़ी 'अस्सी' के जरिए सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार हैं।

तापसी की ये फिल्में भी कतार में: 'अस्सी' के धमाके के साथ-साथ तापसी के पास फिलहाल एक से बढ़कर एक फिल्में हैं। उनकी फिल्म 'गांधारी' की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी निर्देशक और लेखिका कनिका ढिल्लों हैं। अनुभव और तापसी की जोड़ी अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुल्क' का सीक्वल लेकर आ रही है। 'मुल्क 2' में एक बार फिर सामाजिक न्याय और कड़वे सच की कहानी दिखाई जाएगी।

800 करोड़ी फिल्म में एंट्री, बॉक्स ऑफिस में सुनामी आने के संकेत

एटली ने बरसों बाद काजोल को साउथ में उतारा

अपना दमखम दिखाने को तैयार

एटली फिल्मों में मजबूत महिला किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने काजोल के लिए एक ऐसा रोल तैयार किया है, जो फिल्म की कहानी का रुख बदलकर रख देगा। 800 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट के साथ बनाई जा रही इस फिल्म में एक्शन का स्तर अंतरराष्ट्रीय होने वाला है। 'पुष्पा 2' के बाद अल्लू अर्जुन की लोकप्रियता सातवें आसमान पर है और एटली व काजोल संग उनका मिलना बॉक्स ऑफिस पर सुनामी आने के संकेत दे रहा है।

काजोल की पहली तमिल फिल्म

काजोल ने साल 1997 में फिल्म 'मिनसारा कनवु' के जरिए तमिल सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। हिंदी भाषी दर्शकों के बीच ये फिल्म 'सपनें' नाम से रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समेत कई अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए थे। अरविंद स्वामी और प्रभु देवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई थी। उनकी आखिरी तमिल फिल्म धनुष अभिनीत 'वेलैइल्ला पट्टाधारी 2' थी।

मुंबई। भारतीय सिनेमा में एक ऐसा धमाका होने जा रहा है, जिसकी गूंज उत्तर से लेकर दक्षिण तक सुनाई देगी। 'जवान' वाले निर्देशक एटली अब एक बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित 800 करोड़ी फिल्म में काजोल की एंट्री हो चुकी है। इसके जरिए काजोल 9 साल बाद साउथ सिनेमा में एक बड़े और प्रभावशाली किरदार के साथ वापसी करने जा रही हैं। पिछली बार काजोल साल 2017 में धनुष संग 'वेलैइल्ला पट्टाधारी 2' में दिखी थीं।

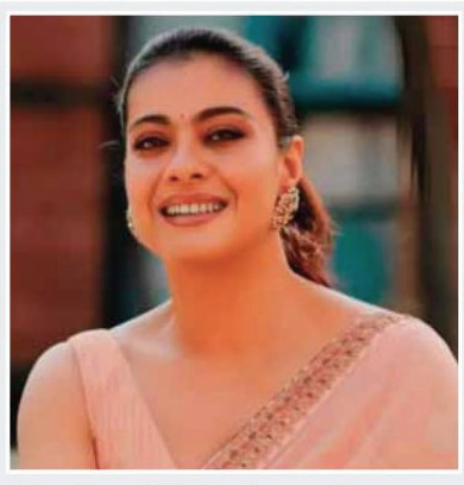

एटली दोहराएंगे 'जवान' वाला इतिहास?

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े निर्देशकों में शुमार एटली, जिन्होंने 'जवान' के साथ बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे, अब अपनी अगली पैन-इंडिया फिल्म के साथ इतिहास दोहराने के लिए तैयार हैं। इस बार उनके साथ साउथ के स्टार अल्लू अर्जुन और बॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार दीपिका पादुकोण हैं। काजोल की एंट्री के साथ ही ये फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी स्टार-कास्ट वाली फिल्मों में से एक बन गई है।

इस फिल्म को लेकर भी चर्चा में

काजोल की फिल्म 'महाराग्निः क्वीन्स ऑफ क्वीन्स' उनके करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। ये खास है, क्योंकि इसमें काजोल एक ऐसे अवतार में नजर आने वाली हैं, जिसे उनके फैंस ने पिछले 3 दशकों में कभी नहीं देखा। प्रभु देवा, जीशू सेन गुप्ता और नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म में अहम भूमिका में हैं। मूल रूप से हिंदी में बन रही ये फिल्म तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में भी रिलीज होगी।

भेंट मुलाकात हेतु जिले में पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

संगठन की मजबूती हेतु टी.एस. ने किया कार्यकर्ताओ को रिचार्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव बुधवार को भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रो का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पार्टी की मजबूती हेतु कार्य करने के लिए रिचार्ज किया। इस दौरान श्री सिंहदेव का जगह जगह कार्यकर्ताओ द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय पहुंचे श्री सिंहदेव सर्वप्रथम पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह के निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पार्टी की गतिविधियों पर चर्चा किये। ततपश्चात उन्होंने एनएसयूआई द्वारा आयोजित छात्र कौशल प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। यहां बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओ ने श्री सिंहदेव का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात ग्राम पर्री में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद ग्राम झांसी पहुंचे जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजेन्द्र गोयल के निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात किये। ततपश्चात देवनगर पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने यहां के मंडी का निरीक्षण कर वहां मौजूद किसानों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं से अवगत हुए। इसके बाद ग्राम कल्याणपुर में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। जिसके बाद श्री सिंदेव पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े के निवास पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मिले। प्रेमनगर में माता कर्मा चौक का उद्घाटन करने के बाद चंदननगर में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष तुलसी यादव के निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात एवं चंदननगर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने इस भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओ में काफी उत्साह देखने को मिला और पैलेस समर्थक कांग्रेसी जोश में नजर आए। इस दौरान पूर्व सांसद खेलसाय सिंह, पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिपं अध्यक्ष राजकुमारी शिवभजन मरावी भी दौरे में शामिल रहे। सरगुजा महाराजा ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने की बात कही। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर, मनोज अग्रवाल, विष्णु कसेरा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेन्द्र यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, नीरज तायल, शिवम साहू, लिवनेश सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी की अभिनव पहल

राज्य स्तरीय करियर मार्गदर्शन मेला में फिजिक्स गुरु' नितिन विजय देंगे छात्रों को सफलता का मंत्र

जिले के भटगांव में 31 को होगा आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की सुशासन सरकार के विजन सुरक्षित और सफल भविष्य को साकार करने की दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर जिले में राज्य स्तरीय करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 31 जनवरी ,शनिवार को भटगांव ग्राउंड में 'कपिध्वज – करियर गाइडेंस कार्यक्रम 2026' का भव्य आयोजन होगा, जिसमें करीब 6 हजार से अधिक विद्यार्थी भाग लेकर राष्ट्रीय स्तर के करियर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर चयन और लक्ष्य निर्धारण के लिए समय पर सही दिशा देना है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का हर छात्र सही मार्गदर्शन पाकर अपने सपनों को साकार कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद, 'फिजिक्स गुरु' एवं मोशन एजुकेशन कोटा के संस्थापक नितिन विजय विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। वे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के सूत्र, करियर प्लानिंग और आत्मविश्वास निर्माण पर अपने अनुभव साझा करेंगे। इस राज्य स्तरीय आयोजन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के स्कूल एवं कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन एवं कपिध्वज टीम द्वारा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और प्रेरक बनाने हेतु तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। यह आयोजन न केवल सूरजपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और प्रदेश को शैक्षणिकसशक्तिकरण की नई दिशा प्रदान करेगा।

नशे की हालत में बंदूक लेकर विद्यालय जाने के मामले में प्रधान पाठक पर हुई कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नशे की हालत में विद्यालय में बंदूक लेकर जाने के मामले में प्रधान पाठक पर तीन वेतनवृद्धि रोकने के साथ अन्यत्र पदस्थ करने की कार्रवाई की गई है। बताया गया है कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर शासकीय प्राथमिक पाठशाला मुस्लमानपारा, प्रतापपुर में पदस्थ प्रधान पाठक सुशील कुमार कौशिक के विरुद्ध लगे गंभीर आरोपों को प्रमाणित पाया गया है। जांच में संकुल प्राचार्य एवं घटना के समय उपस्थित प्रत्यक्षदर्शी शिक्षकों के बयानों के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि 21 नवंबर 2024 को श्री कौशिक नशे की हालत में बंदूक लेकर शासकीय हाई स्कूल बरबसपुर पहुंचे थे। स्वयं श्री कौशिक द्वारा घटना स्वीकार किए जाने के कारण आरोप प्रमाणित माने गए। बीईओ प्रतापपुर के विभागीय जांच प्रतिवेदन के अनुसार, घटना में प्रयुक्त बंदूक को जप्त कर थाना प्रतापपुर में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। जांच में यह भी सामने आया कि श्री कौशिक द्वारा अवकाश के दौरान भी नशे की हालत में विद्यालय आने तथा बंदूक से जान से मारने की धमकी देने की घटनाएं हुई हैं।जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार का आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-03 के प्रतिकूल है। विद्यालय परिसर में बंदूक लेकर आने से बच्चों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों में भय का वातावरण निर्मित हुआ, जिसे गंभीर कदाचार की श्रेणी में रखा गया है। सभी आरोप पूर्णत: प्रमाणित पाए जाने पर अपचारी शिक्षक को दीर्घ शास्ति के रूप में तीन वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से अवरुद्ध की गई है। साथ ही उन्हें निलंबन से बहाल करते हुए शासकीय प्राथमिक विद्यालय गरजापारा, टमकी, विकासखण्ड ओड़गी, सूरजपुर में पदस्थ किया गया है।

जिले की दो प्रमुख सड़कों के निर्माण हेतु 38.39 करोड़ रुपये स्वीकृत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अधोसंरचना विकास को गति देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 38.39.87 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिशुनपुर सूरजपुर ओड़गी राज्य मार्ग-16 के सुदृढ़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 32.24.47 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। यह मार्ग जिले का एक प्रमुख यातायात मार्ग है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों का आवागमन होता है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर के अंतर्गत जमदेई से पोतका मार्ग पर रेहण्ड नदी तक सड़क निर्माण कार्य हेतु 6.15.40 करोड़ प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस सड़क के निर्माण से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से बेहतर संपर्क प्राप्त होगा।इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना है, जिससे आमजन को जल्द ही बेहतर यातायात सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

रेवटी समिति में दो पिकअप वाहन व 50 क्विं. पुराना धान जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन द्वारा धान उपार्जन में अनियमितताओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसीलदार द्वारा रेवटी सेवा सहकारी समिति में पुराना धान खपाने के प्रयास पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पाया गया कि दो पिकअप वाहनों के माध्यम से 50 क्विंटल पुराना धान किसानों के खातों में खपाने के उद्देश्य से उपार्जन केंद्र लाया गया था। मौके पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार द्वारा धान को वाहन सहित जप्त कर लिया गया तथा आगे की कार्यवाही हेतु समिति प्रबंधक के सुपुर्द किया गया। इसके साथ ही संबंधित किसानों से 50 क्विंटल धान का रकबा समर्पण कराया गया। प्रशासन ने कहा है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-01

क्र./पुअ/बल/एसी-1/निविदा/एम/171/2026 दिनांक 24.01.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से भण्डार क्रय नियम 2002 छ.ग. शासन के नियमानुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के नाम पर खुली निविदा दर के आधार पर निविदा अमंत्रित की जाती है। कोरे भाव पत्रक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर/ वाणिज्यकार/चुकता एवं अधिकृत विक्रेता प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा प्रपत्र की राशि 0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां के अंतर्गत चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किये जा सकते हैं। अमानत राशि एफ.डी. आर. के रूप में स्वीकार की जावेगी।

1. निविदा प्रपत्र ब्रिकी दिनांक – दिनांक 09.02.2026 के कार्यालयीन समय तक।
2. निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक – दिनांक 10.02.2026 को सायं 3.00 बजे तक।
3. निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक – दिनांक 10.02.2026 को सायं 4.00 बजे तक।

क्र.	स्थान का नाम	कार्य का नाम	प्राप्त बजट आयंटन राशि
1	पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर	पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के शिकायत शाखा एवं एसी-1 शाखा का मरम्मत कार्य।	102341/-

नोट :- 1. कार्य के लिये अमानत राशि सारणी अनुसार उक्त कार्य के लिए 3070/- रूपये का एफडीआर जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00, कार्यावधि 30 दिवस वर्षाकाल सहित है एवं निविदाकर वर्ग डी एवं उससे अधिक का होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में 0055 पुलिस हेड (मिसलेनियस) में चालान फटा होने पर विक्रय किया जायेगा।
2. निविदाएं सीलबंद लिफाफा में प्रस्तुत करना होगा, जिसके भीतर प्रथम लिफाफा में अमानत राशि, द्वितीय लिफाफा में भावपत्र रहेगा।
3. शर्तें एवं जानकारी इस फार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त करें।
4 किसी भी प्रकार के बाद की स्थिति में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

पुलिस अधीक्षक
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-252606285/1

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 गौरव उत्सव स्वर्णिम संकल्प

क्रमांक/305/स्टोर/2026 अम्बिकापुर दिनांक 22.01.2026

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से **वाहन स्टैण्ड संचालन** के निविदा हेतु फर्मो/अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में **वाहन स्टैण्ड संचालन** हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन	184295	27.01.2026, 10:00 AM	06.02.2026, 02:00 PM	06.02.2026, 03:00 PM	06.02.2026, 04:00 PM

स्थान :- कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-252606268/1

संकेतकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता : शकुंतला

आकांक्षीय ब्लॉक प्रतापपुर में शुरू हुआ नीति आयोग का संपूर्णता अभियान 2.0

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर में नीति आयोग का संपूर्णता अभियान 2.0 बुधवार से शुरू हो गया है। इस अभियान का उद्देश्य आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में समग्र विकास सुनिश्चित करना है। विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा, जिला पंचायत सदस्य लोकेश पैकरा, जनपद अध्यक्ष सुखमनिया अयाम, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह, एसडीएम श्रीमती ललिता भगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। नीति आयोग द्वारा संचालित यह संपूर्णता अभियान 2.0, 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक चलेगा। यह पहल आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में 100 प्रतिशत संतृप्ति हासिल करने पर केंद्रित है। सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत प्रतापपुर आकांक्षीय विकासखंड के लिये शामिल 06 संकेतक आईसीडीएस के अंतर्गत नियमित रूप से पूरक पोषण प्राप्त करने वाले 6 माह से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का प्रतिशत, रिपोर्टिंग माह के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों में नामांकित बच्चों की मापन दक्षता, कार्यरत आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यशील शौचालय सुविधा वाले केन्द्रों का प्रतिशत, कार्यरत आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल सुविधा उपलब्ध केन्द्रों का प्रतिशत, बालिकाओं के लिए शौचालय सुविधा वाले विद्यालयों का प्रतिशत, खुरपका-मुंहपका रोग के विरुद्ध टीकाकरण किए गए गौवंशीय पशुओं का प्रतिशत। विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने अपने संबोधन में कहा कि अभियान के तहत प्रतापपुर ब्लॉक के लिए निर्धारित 06 प्रमुख लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने सभी लक्ष्यों की सतत निगरानी और अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया और संपूर्णता अभियान 2.0 को प्रतापपुर विकासखंड के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि व स्थानीय प्रशासन आपसी समन्वय स्थापित कर इसे सफल बनाने के लिए सकरात्मक प्रयास करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा सभी संकेतकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने कहा कि ''अभियान के तहत अकांक्षीय विकासखंड के लिए 06 प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

यह अभियान नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत चल रहा है, जो पिछड़े क्षेत्रों में तेजी से विकास लाने का लक्ष्य रखता है।'' प्रतापपुर विकासखंड में इस अभियान से स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और आजीविका से जुड़े क्षेत्रों में ठोस बदलाव आयेगा। इसके साथ ही कार्यक्रम में गोद भराई रस्म, सरस्वती योजना के अंतर्गत साइकिल वितरण, 25 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण और नशामुक्ति अभियान के तहत शपथ भी दिलाया गया।

सरगुजा ओलंपिक : विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खेल प्रतिभा को पहचान कर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में कुल 12 खेलों के खेल प्रतियोगिताएं विकासखंड जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित किए जायेंगे। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में विकासखण्ड स्तर पर सरगुजा ओलंपिक 2026 खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत हो रही है। जिसके अंतर्गत सभी विकासखण्ड में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं को खेल प्रतिभा के विकास के लिए 29 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत जिसमें 29 जनवरी को 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, 1600 मीटर रिले, तवा फेंक , गोला फेंक , भाला फेंक, तीरंदाजी का आयोजन कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय ग्राउंड राजपुर में तथा ऊंची कूद, लम्बी कूद का आयोजन हायर सेकेंडरी स्कूल बालक ग्राउंड राजपुर में किया जाएगा।

इसी प्रकार 30 जनवरी 2026 को कबड्डी, खो-खो, व्हाली-बॉल सिनियर वर्ग पुरूष के लिए हायर सेकेण्डरी स्कूल बालक ग्राउंड राजपुर में तथा व्हाली-बॉल जुनियर पुरूष वर्ग एवं जुनियर व सिनियर महिला वर्ग के लिए कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय ग्राउंड राजपुर में किया जाएगा। वर्गवार एवं सामूहिक प्रतियोगिता का आयोजन 31 जनवरी 2026 से 03 फरवरी 2026 तक किया जाएगा जिसमें फुटबॉल सीनियर पुरुष वर्ग के लिए हायर सेकेंडरी स्कूल बालक ग्राउंड राजपुर में तथा फुटबॉल जूनियर पुरूष वर्ग एवं महिला सभी वर्ग के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय ग्राउंड राजपुर, बैडमिंटन जूनियर वर्ग व सिनियर वर्ग पुरुष के लिए कॉलेज ग्राउंड राजपुर, बैडमिंटन सीनियर व जूनियर वर्ग महिला व बास्केटबॉल सभी वर्ग के लिए स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राउंड राजपुर, रस्सा कशी महिला वर्ग, कराटे सभी वर्ग के लिए हायर सेकेंडरी स्कूल बालक ग्राउंड राजपुर में किया जाएगा।

विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत 29 जनवरी को एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी एवं 30 जनवरी को फुटबॉल, व्हाली-बॉल, बैडमिंटन, रस्सा-कस्सी, आर्चरी हाई स्कूल ग्राउंड वाड्रफनगर में 14 से 17 वर्ष (बालक-बालिका) एवं 17 से ऊपर महिला-पुरुष के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित है।

इसके साथ ही प्रतिभागीयों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए है। जिसके अंतर्गत प्रतियोगिता में केवल ऑनलाइन पंजीकृत प्रतिभागी ही पात्र होंगे। सभी प्रतिभागी अपने विद्यालय से जारी परिचय पत्र (आधार कार्ड) अनिवार्य रूप से साथ लाएं, प्रतिभागियों को अपने-अपने आयोजन स्थल पर निर्धारित समय से 20 मिनट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन बनाए रखने सभी प्रतिभागियों के लिए अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन करने की स्थिति में प्रतिभागिता निरस्त की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि सरगुजा ओलंपिक का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं में खेल संस्कृतियों को प्रोत्साहित करना, छिपे हुए खेल प्रतियोगिता को पहचान कर उन्हें जिला एवं राज्य स्तर तक पहुंचाने के अवसर प्रदान करना है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

राष्ट्रीय पीएनजी ड्राइव 2.0: 31 मार्च तक चलेगा राष्ट्रव्यापी अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय पीएनजी ड्राइव 2.0 अभियान को गति देने के लिए कलेक्टर अजीत बसंत ने समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर और कोरिया जिलों में इस अभियान को तेजी से अपनाने पर जोर दिया।

पाइप्ड नेचुरल गैस और कंप्रेस्ड नेचुरल गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा यह राष्ट्रव्यापी अभियान 1 जनवरी

से प्रारंभ है, जो 31 मार्च 2026 तक संचालित होगा। यह पहल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नेतृत्व में लागू की जा रही है।

राष्ट्रीय पीएनजी ड्राइव 2.0 का मुख्य उद्देश्य

राष्ट्रीय पीएनजी ड्राइव 2.0 भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत घरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों तक पीएनजी कनेक्टिविटी का विस्तार करना है। परिवहन क्षेत्र में सीएनजी की आधारभूत संरचना को मजबूत करना करना है। साथ ही निष्क्रिय गैस कनेक्शनों को सक्रिय कर निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश में प्राकृतिक गैस की खपत बढ़ाने के दृष्टिकोण को सशक्त समर्थन प्रदान करता है। साथ ही, यह भारत की वर्ष 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन की प्रतिबद्धता तथा वर्ष 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 45 प्रतिशत कमी लाने के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है।

कलेक्टर की नागरिकों से की अपील

कलेक्टर अजीत बसंत ने नागरिकों से पारंपरिक ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा विकल्प अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि, आइए हम इस स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक किफायती ऊर्जा समाधान को अपनाएं। मिलकर हम सरगुजा को प्रगति और स्थिरता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बना सकते हैं। कलेक्टर ने आम नागरिकों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा उद्योगों से पीएनजी एवं सीएनजी कनेक्शन लेकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर सरगुजा संभाग में भी, तापमान में गिरावट की संभावना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पश्चिमी विक्षोभ का असर सरगुजा संभाग में भी देखा जा रहा है। विक्षोभ के कारण बादलों की सक्रियता बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार अगले 2 से 3 दिनों में मध्य भारत के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में कोहरे की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में पश्चिमी विक्षोभ से प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण मध्य-उत्तरी भारत के ऊपर सक्रिय है। साथ ही एक द्रोणिका विदर्भ से पूर्वी मध्यप्रदेश होते हुए उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश तक प्रभावी बनी हुई है। इस दौरान जेट स्ट्रीम 12.6 किमी की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व दिशा में लगभग 130 नॉट (240 किमी प्रति घंटा) की गति से प्रवाहित हो रही है। इन मौसमी परिस्थितियों के प्रभाव से पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ गरज-चमक की संभावना बन रही है। पछुआ हवाओं की सक्रियता के चलते 30 जनवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। अगले 2 से 3 दिनों में मध्य भारत के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में कोहरे की भी संभावना जताई गई है।

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने उमड़े युवा, राहुल गांधी के नेतृत्व क्षमता पर जताया विश्वास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक की उपस्थिति में आज बड़ी संख्या में युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। अंबिकापुर शहर के जिम संचालक राकेश अग्रवाल के नेतृत्व में कांग्रेस ज्वाइन करने आए इन युवाओं को कांग्रेस की पट्टिका पहनाकर आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने पार्टी में इनका स्वागत किया। शामिल होने आये युवाओं ने एक एक करके अपना परिचय देते हुए कहा कि देश के युवाओं के प्रति राहुल गांधी की सोच एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व क्षमता से प्रभावित होकर सभी ने कांग्रेस ज्वाइन करने का फैसला किया। इन्हें संबोधित करते हुए आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा कि इस बात की खुशी है कि युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा पसंद आ रही है। इनसे चर्चा में उनके राजनीतिक रुझान को समझने में बड़ी मदद मिली है। हमे पूरी उम्मीद है कि इन युवाओं के कांग्रेस प्रवेश से पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस दौरान हेमंत सिन्हा, मो. इस्लाम, रामविनय सिंह, विनय

शर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, विनीत विशाल जायसवाल, लोकेश कुमार, राकेश सिंह, गुरूप्रीत सिंह, नरेंद्र विश्वकर्मा, जीवन यादव, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, नीतीश चौरसिया, सतीश बारी, सोहन जायसवाल, शुभम जायसवाल, अविनाश कुमार, मो. इमरान मौजूद थे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने बनाया सदस्य

इन युवाओं को जिन सदस्यता फार्म के माध्यम से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई गई है उस पर सदस्यता ग्रहण कराने वाले सदस्य के रूप में स्वयं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने हस्ताक्षर किया है। इन युवाओं के कांग्रेस प्रवेश को लेकर राकेश अग्रवाल ने 2 दिन पूर्व उनसे चर्चा की थी। पार्टी के आवश्यक बैठक के लिए दिल्ली रवाना होने के कारण आज वो उपस्थित नहीं रह सके, इनके हस्ताक्षर युक्त सदस्यता फार्म की पावती राकेश अग्रवाल, राजेश चौधरी, सौरभ सोनी, रुस्तम मिर्जा, देवाशीष मंडल, तौसीफ अहमद, अरुण कुमार, कौशर अहमद, मरकुस लकड़ा, अमन जायसवाल, सुमित चौबे, तौफीक अहमद, मो अलिफ़ पठान, शाहिद राजा, अमान खान, हबीब खान, सैफ खान, मो. अयान शेख, मो. अयान अंसारी, रविंद्र सिंह, उजियारा सिंह, विकास कुमार, अनीस भगत, अंनत वंशी, मनीष लकड़ा, अरुण सिंह, भरत, प्रभाकर सिंह, विजय सिंह, धीरेंद्र पैकरा, तुषार सिंह, राजन नगेशिया, हारकिशुन, सुभाष कुमार, मनीष पैकरा, आशीष पैकरा, चंद्रकांत सिंह, राजू सिंह, सुधाकर सिंह, जितेंद्र सिंह, रोहित किस्पोट्टा, अलका गुप्ता, खुशबू सिंह, इशिका रॉय, सृष्टि विश्वकर्मा, स्नेहा जायसवाल, रेणु साहू, प्रियंका राजवाड़े, अंशी हालदार आदि पार्टी के नवप्रवेशी सदस्यों को दी गई।

धूल भरी सड़क में यात्री बस और ट्रेलर की टक्कर में 20 से अधिक घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर आईटीआई कॉलेज अरागाही के समीप शनिवार की सुबह यात्री बस की सामने जा रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई, जिससे बस में सवार 20 से

अधिक यात्री घायल हो गए। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार रामानुजगंज से बलरामपुर के बीच सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं करने के कारण अत्यधिक धूल उड़ रही है। धूल के कारण बस चालक को आगे चल रहा टेलर दिखाई नहीं दिया और बस पीछे से ट्रेलर में जा टकराई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल रामानुजगंज के सौ बिस्तर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसा सुबह करीब 10.30 बजे हुआ। घायलों में विकासखंड शिक्षा कार्यालय रामचंद्रपुर में पदस्थ इंद्रमणि, जनपद कार्यालय में पदस्थ प्रियम सिंह, तहसील कार्यालय के असगर अंसारी, एसडीएम कार्यालय के जितेंद्र पाल, सूरजपुर जिले के सहायक प्राध्यापक विकास कुमार, महाविद्यालय की छात्रा ज्योति आयाम, अधिवक्ता रश्मि गुप्ता, महाविद्यालय के छात्र अनीश अंसारी, छात्रा संजना मिस्त्री सहित अन्य यात्री शामिल हैं। सभी घायलों का उपचार रामानुजगंज अस्पताल में चल रहा है। प्रशासन द्वारा घटना की जांच की जा रही है तथा सड़क निर्माण एजेंसी की लापरवाही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

तथास्तु हिल्स रिसॉर्ट में 40 फिट की ऊंचाई पर लहराया तिरंगा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर तथास्तु हिल्स रिसॉर्ट मैनपाट में 40 फिट की ऊंचाई पर तिरंगा झंडा विधायक रामकुमार टोप्पो ने फहराया। यह तिरंगा झंडा मैनपाट की खूबसूरती को और बढ़ाने के साथ पर्यटकों को लुभा रहा है। पर्यटक इस तिरंगे को देखने जा रहे हैं। यह ऐसे जगह पर लगाया गया है जहां से शाम को सन शेड का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। झंडा संशोधन कानून 2022 जब से पूरे देश में लागू हुआ है, तब से कोई भी आदमी या संस्था तिरंगा झंडा को सम्मानपूर्वक दिन-रात 24 घंटे फहरा सकता है।पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथास्तु हिल्स रिसॉर्ट के संचालक डॉ. डी.के. सोनी के द्वारा भविष्य में यहां पर एडवेंचर गेम की भी व्यवस्था की जा रही है, ताकि स्कूल-कॉलेज के बच्चों को एडवेंचर के माध्यम से मजबूत बनाया जा सके। मुख्य अतिथि सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार टोप्पो ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैनपाट में इस तरह की संस्थाएं कम हैं जो देशहित में सोचते हुए देश के तिरंगे को सम्मान देते हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान भाजपा नेता रजनीश पाण्डेय, राम यादव, जमुना यादव, जनपद उपाध्यक्ष अनिल सिंह, कमलेश सिंह, महेश नामदेव, ग्राम उरंगा के सरपंच, उपसरपंच तथा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारत की एकता, अखंडता और समाजवाद की रक्षा करने की लें शपथ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ पर अंबिका मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरनीबेड़ा में ध्वजारोहण के साथ परेड व कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्कूली बैंड की धुन व ताल के साथ मुख्य अतिथि समाज सेविका वंदना दत्ता ने परेड की सलामी ली। उन्होंने ध्वजारोहण करने के पश्चात अपने उद्बोधन में कहा कि भारत देश विविधताओं, परंपराओं, विभिन्न संस्कृतियों और अनेक प्रकार के रीति-रिवाज से भरा पड़ा है। हम सभी धर्म, समाज और वर्ग के लोग एक सूत्र में बंधे रहते हैं, यह खूबसूरती हमें भारत के संविधान और लोकतंत्र से मिली है जिसे हमें हमेशा कायम रखना है। उन्होंने भारतीय संविधान, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के महत्व को रेखांकित करते हुए बच्चों से अपील की, वे शपथ लें कि बड़े होकर भारत की एकता, अखंडता और समाजवाद की रक्षा करेंगे। विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता अशफाक अली ने देशभक्ति से परिपूर्ण अपने उद्बोधन में कहा कि जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान के कारण ही हमें इतना अधिकार मिला हुआ है कि हम आजादी को महसूस कर सकते हैं और अपने हिसाब से अपना जीवन जी सकते हैं। उन्होंने बताया कि हमें जो आजादी मिली है वह बहुत संघर्ष और बलिदान के बाद प्राप्त हुई है। इसे पाने के लिए लाखों राष्ट्र भक्तों ने अपने जीवन को कुर्बान किया है इसलिए इसके महत्व को समझना चाहिए। इस अवसर पर बालक-बालिकाओं के द्वारा कई सांस्कृतिक, रंगारंग और लघु नाटिका की प्रस्तुती दी गई। ऐतिहासिक जलियांवाला बाग की घटना को बालक-बालिकाओं ने बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सिस्टर रोजालिया, सिस्टर निर्मला, सिस्टर डोरेथी, आरती, अल्पना, आभा किरण, श्वेता मैडम, आरती तिर्की एवं करीना और विद्यालय के स्टाफ की उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक और मोरीश ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर क्लारा एक्का ने आभार व्यक्त किया।

नानी की हत्या करने वाला नाती जेल दाखिल

अंबिकापुर। लुण्ड्रा थाना पुलिस ने जमीन का हिस्सा नहीं देने की बात कहने पर वृद्ध महिला की हत्या कर देने के मामले में आरोपी नाती को गिरफ्तार कर लिया है।

विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके परिस्थिति जन्य साक्ष्य जब्त करके आरोपी बाबुलाल किण्डो को हिरासत में लिया तो वह अपनी नानी सुन्दरिया की हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी बाबूलाल किण्डो जमीन बड़े भाई को देने और उसे नहीं देने की बात कहने से नाराज था। इसी आवेश में आकर वर्ह इंट और घर में रखे पेटी से सिर में वार करके हत्या कर दिया था। पुलिस ने आरोपी बाबुलाल किंडो पिता तिलसाय किंडो 22 वर्ष को न्यायालय के समक्ष पेश किया, यहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुंड्रा निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, महिला आरक्षक प्रेमा मरावी, आरक्षक राजकुमार यादव, इबनुल खान, सतीश कुमार सक्रिय रहे।

हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्री शतचण्डी महायज्ञ संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गोधनपुर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्री शतचण्डी महायज्ञ का श्रद्धामय समापन बुधवार, 28 जनवरी को विधिवत हुआ। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता दर्ज कराई और पुण्य लाभ प्राप्त किया। दिव्य आयोजन आध्यात्मिक चेतना, लोक-कल्याण एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की भावना के साथ संपन्न हुआ।

महायज्ञ का संपूर्ण विधि-विधान से संचालन एवं समापन आचार्य पंडित दीपक कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में हुआ। इनके साथ पंडितों में संतोष त्रिपाठी, मिथलेश त्रिपाठी, आकाश त्रिपाठी, वेदांती पांडेय, अमित तिवारी, करण शर्मा, बुद्ध प्रकाश दीक्षित एवं संतोष मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ अनुष्ठान को सफल बनाया। वृहद धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से श्रद्धालुओं का योगदान रहा। सहयोगी श्रद्धालुओं में नागेंद्र सिंह, अजय वर्मा, मनोज वर्मा, शिवमंगल सिंह, राजेश सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अनिल श्रीवास्तव, चंद्रदेव चक्रधारी, छक्कन गुप्ता, के.एन. शर्मा, अजय तिवारी, अभय तिवारी, अरविंद तिवारी, रवि तिवारी, अशोक दुबे, राकेश बंसल, गुरुचरण सिंह, संजय श्रीवास्तव, रमेश बारी, मनोज कुमार मिश्र, अजय जयसवाल, सुनील गुप्ता, बलवंत चैबे, कृपा शंकर गुप्ता, नीरज सिंह एवं दया शंकर गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे। श्री शतचण्डी महायज्ञ आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं, नगरवासियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक चेतना, सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

चुनावी प्रक्रिया में ओबीसी, एससी-एसटी एवं माइनॉरिटी की भागीदारी कांग्रेस का ऐतिहासिक निर्णय

बैठक में सरगुजा से शामिल हुए नेशनल कोऑर्डिनेटर लक्ष्मी गुप्ता ने कहा-संगठन को मिलेगी नई मजबूती

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय लेते हुए सामाजिक न्याय से जुड़े चारों प्रकोष्ठों ओबीसी, एससी, एसटी एवं माइनॉरिटी विभाग को सीधे तौर पर चुनावी प्रक्रिया में सहभागी बनाने का बड़ा कदम उठाया है। राहुल गांधी के के निवास पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में के. राजू सहित चारों विभागों के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, राजेंद्र पाल गौतम, विक्रांत भूरिया, इमरान प्रतापगढ़ी के अलावा सरगुजा से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेशनल कोऑर्डिनेटर लक्ष्मी गुप्ता भी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव रखा गया कि देश के प्रत्येक राज्य की कांग्रेस इलेक्शन कमिटी में इन चारों विभागों के राज्य अध्यक्षों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जाए, ताकि सामाजिक प्रतिनिधित्व और जमीनी आवाज को चुनावी रणनीति में समुचित स्थान मिल सके। राहुल गांधी जी ने इस प्रस्ताव को तत्काल हरी झंडी देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को तुरंत नोटिफिकेशन जारी करने के निर्देश दिए। लक्ष्मी गुप्ता ने कहा यह निर्णय कांग्रेस पार्टी की समावेशी राजनीति, सामाजिक न्याय और संगठनात्मक लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इसी

क्रम में चारों विभागों के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं के. राजू, तथा चारों विभागों के राष्ट्रीय समन्वयकों की एक विस्तृत और गंभीर जुम बैठक हुई। बैठक में सभी ने अपने-अपने सुझाव, अनुभव और संगठनात्मक दृष्टिकोण साझा किए। बैठक में नेशनल कोऑर्डिनेटर लक्ष्मी गुप्ता ने जमीनी स्तर की अपेक्षाओं को मजबूती से रखा। उन्होंने बताया कि यह निर्णय न केवल संगठन को मजबूती देगा, बल्कि दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाज की भागीदारी को निर्णायक भूमिका में स्थापित करेगा। कांग्रेस पार्टी का यह कदम आने वाले समय में सामाजिक संतुलन और लोकतांत्रिक भागीदारी का नया अध्याय लिखेगा।

हायर सेकेंडरी स्कूल को 5-स्टार रेटिंग के साथ मिला स्वच्छ एवं हरित विद्यालय का पुरस्कार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी को जिला मुख्यालय सूरजपुर में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय 2026 के लिए जिला स्तरीय सम्मान से पुरस्कृत किया। यह सम्मान विद्यालय के प्राचार्य दिलीप तिवारी ने ग्रहण किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी ने जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए

91.20 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। इसके आधार पर स्कूल को 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्राचार्य दिलीप तिवारी ने कहा यह उपलब्धि स्कूल के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमारा लक्ष्य केवल रेटिंग सुधारना नहीं, बल्कि बच्चों की आदतों में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाना है। राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता और हरित विद्यालय मूल्यांकन में 5-स्टार रेटिंग मिलना पूरे विद्यालय परिवार और जिले के लिए गर्व की बात है। यह सभी स्टाफ और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों की जीत है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए संयुक्त संचालक सरगुजा संजय कुमार गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा और विकासखंड शिक्षा अधिकारी एम.एस. धुर्वे ने प्राचार्य और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। शासकीय उमावि सरहरी के व्याख्याता विजय भारती, अजय चतुर्वेदी, निशा तिवारी, मनीषा एक्का, इंदिरावती लकड़ा, शशि पटवा, सुनीता नेताम, रूखमणी पैकरा, जे. कुजूर, ए. कुजूर, अविनाश तिवारी, अन्नपूर्णा कुल्हाड़ी, रूपा सहित सभी कर्मचारियों ने इस उपलब्धि से हर्षित हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर